श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 72 ग्वालियर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

नगर के गौरव अनुज श्री महेश मुद्गल सहित पूरी टीम को दी बधाई

अचलनाथ धाम के मुख्य न्यासी बने महेश मुद्गल, राजेश ऐरन बने अध्यक्ष

ग्वालियर जीएनएस

भगवान श्री अचलनाथ जी की सेवा के लिए मुख्य न्यासी के रूप में निर्वाचित महेश मुद्गल और नव निर्वाचित पूरी टीम को शुभकामनाएं दी गईं। पं. रामबाबू कटारे ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से नई टीम को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नया प्रबंधन भगवान श्री अचलनाथ धाम की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान को और मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा कि भगवान श्री अचलनाथ महादेव की सेवा का दायित्व महत्वपूर्ण है। विश्वास जताया कि नई टीम श्रद्धा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी तथा मंदिर की विशिष्ट पहचान को स्थापित करने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने भगवान श्री अचलनाथ महादेव से नई टीम के सफल कार्यकाल की कामना की।

नरसिंहपुर को 175 करोड़ के 31 विकास कार्यों की सौगात

42.52 करोड़ के सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण, 502 करोड़ से भरेगी 8.19 लाख विद्यार्थियों की फीस

नरसिंहपुर जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बच्चे और युवा देश-प्रदेश के सुनहरे भविष्य के सितारे हैं। उनकी शिक्षा, प्रतिभा और तरक्की में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार आधुनिक शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रविवार को नरसिंहपुर में 42.52 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित शासकीय सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 8.19 लाख विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के लिए 502 करोड़ रुपए और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 35.56 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में 213.41 करोड़ रुपए अंतरित किए। उन्होंने विद्यालय की 15 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर बस सेवा का शुभारंभ किया। नरसिंहपुर जिले में 175.14 करोड़ रुपए लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया।

पिपरिया मार्ग के लिए 540 करोड़ : मुख्यमंत्री ने नरसिंहपुर से पिपरिया मार्ग के उन्नयन के लिए 540 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा नगर वन कॉरिडोर, खैरीनाका से रेलवे स्टेशन तक पक्की सड़क और गीता भवन के निर्माण की घोषणा की। बरमान घाट पर रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। पशुपालकों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों को क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपए दिए जाएंगे।

गहोई वैश्य समाज ग्रेटर ग्वालियर का शपथ ग्रहण समारोह आज

ग्वालियर जीएनएस

श्री गहोई वैश्य समाज ग्रेटर ग्वालियर का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार, 12 अक्टूबर को जैन छात्रावास में आयोजित किया जाएगा। समारोह में परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद जी महाराज की पावन उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार होंगी, जबकि अध्यक्षता अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक सावला करेंगे।

समारोह में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप पहारिया, महामंत्री सुधीर रावत सहित सभी पदाधिकारी और

महापौर शोभा सिकरवार रहेंगी मुख्य अतिथि, स्वामी रामेश्वरानंद जी महाराज का मिलेगा सानिध्य

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य पद एवं दायित्वों की शपथ लेंगे।

कार्यक्रम में ग्रेटर ग्वालियर समाज के पदाधिकारियों, मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव बेहरे तथा समाज के गणमान्यजनों की उपस्थिति रहेगी। समारोह को लेकर समाज के सदस्यों में उत्साह है। यह जानकारी समाज के नवनिर्वाचित महामंत्री सुधीर रावत ने दी।

नहरों में पानी छोड़ने सहित जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किसानों को सिंचाई का पानी, शहर को रोशनी-पेयजल और सफाई मिले

दतिया जीएनएस

किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने और शहर की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े को ज्ञापन सौंपा। दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने कहा कि किसानों की फसलों की सिंचाई, शहर की प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सफाई और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे।

कांग्रेस नेताओं ने न्यू कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर से मुलाकात की। ज्ञापन में राजघाट एवं सिंध नहर परियोजना की नहरों में तत्काल पानी छोड़ने की मांग की गई। नेताओं ने कहा कि किसानों की धान की खड़ी फसल की सिंचाई और रबी फसलों की बोवनी के लिए खेतों में पलेवा जरूरी है। पर्याप्त वर्षा के बावजूद सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने से फसलों की देखभाल और आगामी बोवनी प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए किसानों की

जरूरत के अनुसार समय पर पानी उपलब्ध कराया जाए।

ज्ञापन में दतिया शहर के प्रमुख मार्गों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने, विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति सुचारु करने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग भी की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा शहर में जगह-जगह घूम रहे आवारा गोवंश, सांड, गधे, सूअर और कुत्तों से नागरिकों को राहत दिलाने की मांग की गई। नेताओं ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया।

विधायक घनश्याम सिंह ने कहा कि प्रशासन जनहित से जुड़े इन मुद्दों को गंभीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई करे, ताकि किसानों को राहत मिलने के साथ शहरवासियों को भी रोजमर्रा की समस्याओं से निजात मिल सके।

ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेंद्र गुर्जर, पूर्व ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष केपी यादव, रामकुमार मोंगिया, आशीष तिवारी, वीरू दांगी और देव गौतम सहित अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

कहानी बदलाव की: पीएमएफएमई योजना से संदीप शर्मा बने उद्यमी, फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापित

शिवपुरी, जीएनएस।
दृढ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो कोई भी व्यक्ति सफलता के नए आयाम गढ़ सकता है। शिवपुरी शहर के नवाब साहब रोड स्थित अन्नपूर्णा फूड प्रोसेसिंग के संचालक श्री संदीप शर्मा की कहानी भी कुछ ऐसी ही प्रेरणादायी है। एक समय सीमित संसाधनों से अपने व्यवसाय की सोच रखने वाले संदीप आज जिले में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। श्री संदीप शर्मा को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जानकारी उद्यानिकी विभाग के जिला रिसोर्स पर्सन श्री गिर्राज ओझा के माध्यम से प्राप्त हुई। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने अपने मिल्क प्रोसेसिंग (दूध प्रसंस्करण) व्यवसाय के विस्तार की रूपरेखा तैयार की और विभाग के सहयोग से वित्तीय वर्ष 2026-27 में आवेदन किया। योजना के अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा शिवपुरी के माध्यम से श्री

संदीप शर्मा को 18 लाख रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत हुआ। इसके साथ ही योजना के नियमानुसार उन्हें 3.75 लाख रुपये की शासकीय सब्सिडी का लाभ भी मिला। इस वित्तीय संबल से उन्होंने आधुनिक मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित कर उच्च गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पादों का निर्माण शुरू किया।

उद्यम की स्थापना के बाद श्री संदीप शर्मा का व्यवसाय तेजी से बढ़ा। वर्तमान में वे अपने इस प्रसंस्करण संयंत्र से प्रतिदिन उत्पादों की बिक्री कर प्रतिमाह ?70,000 से ?80,000 की शुद्ध आमदनी अर्जित कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि उन्होंने केवल स्वयं को ही आत्मनिर्भर नहीं बनाया, बल्कि अपने इस मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट के माध्यम से 8 अन्य स्थानीय युवाओं को भी रोजगार प्रदान किया है।

अपनी इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए श्री संदीप शर्मा कहते हैं, पीएमएफएमई योजना ने मेरे सपनों को साकार करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

MPCCI द्वारा 'माधव प्लाजा' के संबंध में श्री मधुसूदन भदौरिया को सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर, जीएनएस।
MPCCI के एक प्रतिनिधि मण्डल ने आज ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष-श्री मधुसूदन भदौरिया से जीडीए कार्यालय में भेंट की और उन्हें 'माधव प्लाजा' में दुकानों की रजिस्ट्री के अवसर पर माँगे जा रहे ब्याज के संबंध में हितग्राहियों की परेशानियों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा । प्रतिनिधि मण्डल में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल एवं मानसेवी संयुक्त सचिव-दीपक पमनानी शामिल थे ।

प्रतिनिधिमण्डल ने त्रष्ठ अध्यक्ष-श्री भदौरिया जी को अवगत कराया कि जब 'माधव प्लाजा' की दुकानें बुक की गई थी, उस समय व्यवसाईयों द्वारा दुकानें बुक कराई गईं, परन्तु इसी दौरान हितग्राहियों को पता चला कि इस कॉम्पलेक्स के निर्माण हेतु जीडीए के पास पर्यावरण विभाग की एनओसी ही नहीं हैं, जिसके कारण जीडीए को दुकानें विक्रय करने/रजिस्ट्री करने का अधिकार ही नहीं है । इस पर व्यवसाईयों द्वारा दुकानों की दूसरी व तीसरी किस्त देना बंद कर दिया गया । उसके पश?चात? करीब एक वर्ष बाद जीडीए 'माधव प्लाजा' हेतु पर्यावरण की एनओसी ले पाया और व्यवसाईयों ने जब दुकानों की रजिस्ट्री हेतु जीडीए से बात की, तब जीडीए द्वारा गलत रूप से उस पर ब्याज की माँग की जाने लगी ।

पदाधिकारियों ने कहाकि हितग्राहियों से ब्याज माँगे जाने संबंधी बात को हमारे द्वारा तत्कालीन प्रदेश के मुख्यमंत्री-माननीय शिवराज सिंह चौहान जी के 'चेम्बर भवन' में पधारने पर उनके सम्मुख प्रस्तुत की गई, जिस पर उनके द्वारा तत्काल ब्याज माफी की घोषणा की गई थी, परन्तु उस समय जीडीए बोर्ड का गठन नहीं हुआ था, इसलिए तत्कालीन सीईओ का कहना था कि चूंकि बोर्ड का गठन नहीं हुआ है । इसलिए इस पर हम निर्णय नहीं ले सकते हैं । प्रतिनिधि मण्डल ने कहाकि वर्तमान में अत्यन्त ही हर्ष का विषय है कि जीडीए बोर्ड का गठन आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया गया है और इससे व्यवसाईयों को काफी उम्मीदें हैं । अतः तत्काल इस बात का निर्णय लिया जाए कि पर्यावरण की अनुमति लेने में हुए विलम्ब की अवधि के ब्याज की माँग व्यवसाईयों से नहीं की जाएगी और एक अवसर हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जाएगा । यदि निर्धारित अवधि में व्यवसाई अपनी दुकान की रजिस्ट्री करा लेता है, तब उसे ब्याज की राशि से मुक्त रखा जाएगा ।

सेवा-संकल्प अभियान: विकासखंड स्तरीय शिविर नयापुरा में 50 आदिवासी बच्चों को वितरित किए स्कूल बैग

बच्चों को शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण की सीख भी दी गई

ग्वालियर, जीएनएस।
सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। शनिवार को नयापुरा में विकासखंड स्तरीय शिविर में 50 आदिवासी बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया गया। बच्चों को स्कूल बैग उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमित स्कूल आकर पढ़ाई करने की सीख भी दी गई।

घाटीगांव विकासखंड के नयापुरा गाँव में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में विकासखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणजनों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। शिविर में पंचायत सिमिरियाटांका, ग्राम पंचायत घाटीगांव एवं विकास युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 25 आदिवासी बच्चों को स्कूल बैग का वितरण भी किया। शिविर में जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणजनों को बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण करने का आग्रह भी सभी ग्रामीणजनों से किया गया।

सफलता की कहानी: डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना से नीलेश शाक्य ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

किराना दुकान से हर माह 25 से 30 हजार रुपए की आय

ग्वालियर, जीएनएस।
नीलेश अब किसी के यहां नौकरी करने नहीं जाते बल्कि उनका खुद की अपनी दुकान है। अपनी मर्जी से अपना व्यवसाय कर खुशी-खुशी जीवन यापन कर रहा है। 25 से 30 हजार रुपए प्रतिमाह की आय भी नीलेश को हो रही है। नीलेश शाक्य को अपनी दुकान का मालिक बनने का अवसर मिला है डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना के माध्यम से। योजना की जानकारी मिलने पर नीलेश ने अधिकारियों से संपर्क किया और उसे एक लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। एक लाख रुपए की राशि से उसने स्वयं की किराना दुकान खोली और मेहनत से कार्य करने का सकारात्मक परिणाम आया। दुकान चल पड़ी और उसे अब प्रतिमाह ऋण की किस्त जमा करने के बाद 25 से 30 हजार रुपए की राशि प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर कुलैथ में नीलेश शाक्य ने शासकीय योजनाओं के माध्यम से किस प्रकार लाभ प्राप्त किया है, इसकी जानकारी जिला कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं अतिथियों के समक्ष मंच पर आकर अपनी कहानी खुद ही बताई। उसने बताया कि 12वी तक की पढ़ाई करने के बाद नौकरी की तलाश करने के साथ-साथ स्वयं का रोजगार स्थापित करने का प्रयास भी कर रहे थे। डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना के संबंध में जब विभागीय अधिकारियों ने बताया तो उसने अपना ऋण आवेदन जमा किया और उसे इंडसइंड बैंक के माध्यम से एक लाख रुपए ऋण की राशि प्राप्त हुई। इसी राशि से उन्होंने अपनी स्वयं की दुकान स्थापित की और आज वे किसी की नौकरी नहीं बल्कि अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नीलेश शाक्य को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिये बधाई दी है। उन्होंने नीलेश से कहा है कि वे गाँव के अन्य युवाओं को भी शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु प्रेरित करें।

किसानों की समृद्धि ही हमारा लक्ष्य: मुख्यमंत्री

नई तकनीक से खेती कर समृद्धि की ओर बढ़ रहे किसान

भोपाल, जीएनएस।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में बलराम कृषि महोत्सव महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए राज्य सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाते हुए प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार, 9 अक्टूबर तक प्रदेश के 55 में से करीब 43 जिलों में जिला स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव आयोजन हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है, हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और जिला अधिकारी सीधे किसानों से संवाद कर रहे हैं। किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक

कृषि यंत्रों और खेती में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि कम निवेश में अधिक आमदनी प्राप्त करने के गुर सीखकर किसान अमल कर सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते समय में खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए परम्परागत तरीकों के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। कृषि विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही नई जानकारियां किसानों को बेहतर उत्पादन, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और आय बढ़ाने के अवसर उपलब्ध करा सकती हैं। उन्होंने किसानों से बलराम कृषि महोत्सव में अवश्य भाग लेकर कृषि विशेषज्ञों की सलाह का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और कृषि क्षेत्र में समृद्धि के नए अवसर पैदा करना है। इसके लिए सभी जरूरी उपाय और प्रबंधन किये जा रहे हैं।

खेती को लाभकारी बनाने का सशक्त मंच

इस वर्ष 15 जुलाई 2026 से शुरू हुए बलराम कृषि महोत्सव आयोजन की श्रृंखला में अब तक हजारों किसान इस महोत्सव से लाभान्वित हो चुके हैं। बलराम कृषि महोत्सव खेती-किसानी को घाटे से उबारने, आधुनिक तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने और किसानों को सफलता एवं लाभ के नए आयामों से जोड़ने का सशक्त मंच बन रहा है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर में योजनाओं का तत्काल मिला लाभ

ग्वालियर, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आम जनों को शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसके चलते आमजनों की शिकायतों का शिविर के माध्यम से तत्काल निराकरण हो रहा है, साथ ही आम जनों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 15 मोची ओली पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आमजन से जुडी हुई 17 समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। इनमें सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणी पेंशन के 8 प्रकरण, कामकाजी महिला का 1, जन्म-मृत्यु के 4, राशन 3 एवं संबल के 1 प्रकरणों में हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिया गया। इस अवसर पर उपनेता प्रतिपक्ष श्री रवि तोमर, अधीक्षण यंत्री श्री सुरेष अहिरवार, कार्यपालन यंत्री श्री वेदप्रकाश

निरंजन, सहायक यंत्री श्री बृजविहारी चंसोलिया, क्षेत्रीय अधिकारी श्री विपिन दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान सैकड़ों की संख्या में अन्य विभागीय व नागरिक सुविधाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिन्हें दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आगामी शुक्रवार को यहां पर लगेगा शिविरः मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अगला शिविर दिनांक 16 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 03 एवं 14, दिनांक 23 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 10 एवं 24, दिनांक 30 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 07 एवं 22, दिनांक 6 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 04 एवं 20, दिनांक 13 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 एवं 21, दिनांक 20 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 एवं 25, दिनांक 27 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 23, दिनांक 04 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 05, दिनांक 12 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 12, दिनांक 18 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19, दिनांक 01 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 01 एवं दिनांक 8 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 पर शिविर आयोजित किए जाएगें।

जलकर वसूली में लापरवाही बरतने पर 13 उपयंत्रियों को नोटिस जारी

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा जलकर वसूली शत प्रतिशत करने के निर्देष दिए गए हैं। जलकर वसूली में लापरवाही बरतने पर 13 उपयंत्रियों को अधीक्षण यंत्री पीएचई ने नोटिस जारी किए हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने जलकर वसूली को लक्ष्य के अनुरूप करने के निर्देष दिए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देष दिए गए हैं, कि वह 6 माह के बताए टारगेट के अनुरूप वसूली करें। 1 अप्रैल 2026 से 8 अक्टूबर तक जलकर वसूली की समीक्षा की गई। जलकर वसूली में 13 उपयंत्रियों द्वारा तय लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं की है। जिसके चलते अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

इन उपयंत्रियों को मिला नोटिसः अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम ने वार्ड क्रमांक 2 के उपयंत्री श्री नरेंद्र तोमर को 1730878 रूपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था जबकि उनके द्वारा 1052721 रूपये की वसूली गई जो कि तय लक्ष्य से 678157 रूपये कम है। वार्ड 5 के उपयंत्री श्री संदीप श्रीवास्तव 7316402 रूपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था, जबकि उनके द्वारा 4675941 रूपये की वसूली की जो कि तय लक्ष्य से 2640461 रूपये कम है। वार्ड क्रमांक 7, 8, 15 के उपयंत्री श्री निरंजन सिंह तोमर को 7139218 रूपये का लक्ष्य दिया गया था जिसके विरूद्ध उनके द्वारा 4810316 रूपये वसूली की जो कि तय लक्ष्य से 2328902 रूपये कम है। वार्ड क्रमांक 13, 14 उपयंत्री श्री बालकदास अहिरवार को 4068535 रूपये का टारगेट दिया था, जिसके विरूद्ध 2688425 रूपये वसूली की गई, जो कि तय लक्ष्य से 1380110 रूपये कम है। वार्ड क्रमांक 18 उपयंत्री श्री शैलेंद्र दीक्षित एवं श्री षिवेंद्र सिंह को 16146448 रूपये का लक्ष्य दिया गया था, जबकि उनके द्वारा 9755597 रूपये की वसूली गई, जो कि तय लक्ष्य से 6390851 रूपये कम है। इसी प्रकार उपयंत्री श्री इंदर सिंह बौध वार्ड क्रमांक 19 को 3909808 रूपये का लक्ष्य दिया गया था, जबकि उनके द्वारा 2412672 रूपये की वसूली गई जो कि तय लक्ष्य से 1497136 रूपये कम है। उपयंत्री श्री भरत श्रीवास्तव वार्ड क्रमांक 20 एवं 28 को 7287248 रूपये का लक्ष्य दिया गया था परंतु उनके द्वारा 4714157 रूपये की वसूली की गई, जो कि तय लक्ष्य से 2573091 रूपये कम है। उपयंत्री श्री शिवेंद्र सिंह वार्ड क्रमांक 21 को 4424740 का टारगेट दिया गया था, जिसके बदले उन्होंने 2905631 रूपये की वसूली की है जो कि तय लक्ष्य से 1519109 रूपये कम है। इसी प्रकार श्री संदीप पाण्डेय उपयंत्री वार्ड क्रमांक 23 को 3416864 रूपये का लक्ष्य दिया गया था, जिसके बदले उन्होंने 2255400 रूपये की वसूली की, जो कि तय लक्ष्य से 1161463 रूपये कम है, श्री वेद प्रकाश सिंह चौहान उपयंत्री वार्ड कमांक 38, 49 को 7616683 रूपये का लक्ष्य दिया गया था जबकि उनके द्वारा 5230029 रूपये की वसूली की। जो कि तय लक्ष्य से 2386654 रूपये कम है।

मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित, लिए गए अनेक निर्णय

ग्वालियर, जीएनएस। मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई। बाल भवन स्थित टीएलसी में आयोजित बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य श्री अवधेश कौरव, श्रीमती गायत्री सुधीर मंडेलिया, श्री शकील मंसूरी, श्री विनोद यादव माठू, श्री प्रेमलता धर्मेन्द्र जैन, श्रीमती लक्ष्मी गुर्जर, श्रीमती संध्या सोनू कुशवाह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीष सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा, उपायुक्त श्री सुनील चौहान, अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा, श्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, श्री शिशिर श्रीवास्तव सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मोती महल स्थित नगर निगम संग्रहालय का अपग्रेडेशन एवं रिनोवेशन एवं रिनोवेशन कार्य की पुनरीक्षित लागत एवं समयावधि की स्वीकृति के सम्बन्ध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रकरण में पुष्टि की गई। इसके साथ ही श्री सुशील कटारे, कार्यपालन यंत्री (सेवानिवृत्त) नगर निगम, ग्वालियर को जारी आरोप-पत्र की पुष्टि बाबत निगमायुक्त का प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रकरण में पुष्टि की गई।

बजट वर्ष 2026-27 के बजट लेखा शीर्ष में राशि पुनर्विनियोजन किये जाने बाबत निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव अनुसार जानकारी सहित प्रकरण पुनः प्रस्तुत करें। इसके साथ ही नगर पालिक निगम, ग्वालियर में संचालित स्वयं के एवं अनुबंधित वाहनों के लिए ईंधन (डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी) शासकीय संस्थानों 02वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर, 14वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर एवं 13वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर से लिये जाने की स्वीकृति बावत् निगमायुक्त के प्रतिवेदन सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव अनुसार जानकारी सहित प्रकरण पुनः प्रस्तुत करें। पंचशील नगर, वार्ड नं. 21, ग्वालियर में स्थित पार्क का नाम डॉ. अम्बेडकर पार्क रखे जाने बावत् तथागत गौतम बुद्ध बिहार समिति, पंचशील नगर, थाटीपुर, ग्वालियर का पत्र दिनांक 25.08.2026 पर चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि निगमायुक्त सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर नामकरण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करें।

शहर से आधे से अधिक ब्लैक स्पॉट हुए खत्म

ग्वालियर। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश के निर्देष पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक शहर में ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शुक्रवार तक शहर से 179 ब्लैक स्पाट खत्म कर दिए हैं। शुक्रवार को नगर निगम ने अभियान चलाकर 12 ब्लैक स्पॉट खत्म किए है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम के तहत शहर में सालों से बने ब्लैक स्पॉट कचरा ठीयों को नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने खत्म किया जा रहा है। इसके बाद फिर से लोग वहां पर कचरा नहीं डाल सकें।

900 छात्र-छात्राओं ने मानव रंगोली के माध्यम से बनाया राष्ट्रीय ध्वज

ग्वालियर, जीएनएस। सेवा-संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय के खेल मैदान में 900 छात्र-छात्राओं ने मानव रंगोली बनाकर देशभक्ति का संदेश दिया। छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज एवं ग्वालियर @2047 की आकृति बनाई। इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, जिला अध्यक्ष भाजपा श्री जयप्रकाश राजौरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती उपासना राय सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। 2047 में हमारा देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर और विश्व का नेतृत्व करने वाला देश बने, इसी दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। हमारा देश युवाओं का देश है। युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर देश को प्रगति के मार्ग पर आगे ले जाने की जवाबदारी है। हमारे देश के युवा भी हर क्षेत्र में अपनी हिम्मत और क्षमता से अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहे हैं। सेवा-संकल्प अभियान के तहत मानव रंगोली का जो आयोजन ग्वालियर में किया गया है वह बहुत ही सराहनीय है। इस कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों को इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने की बधाई।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने भी इस कार्यक्रम के आयोजन की सभी को शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा-संकल्प अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मानव रंगोली का आयोजन भी हुआ है। आगामी दिनों में भी सेवा-संकल्प अभियान के तहत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

स्त्री-शक्ति के नौ रूप नवजीवन और परिवर्तन के प्रतीक

संपादकीय

हमारी सीमाओं पर खतरे कई तरह से सामने आ सकते हैं

दशकों से सिलीगुड़ी कॉरिडोर के 'चिकन नेक' को लेकर भारत की सुरक्षा संबंधी बहस अंदेशों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन खतरों की प्रकृति भी अब बदल गई है। हाइब्रिड संघर्षों के दौर में हमारे किसी प्रतिद्वंद्वी के लिए अब इस कॉरिडोर पर कब्जा करना या उसे सीधे क्षति पहुंचाना जरूरी नहीं रह गया है। केवल व्यवधान पैदा करना ही रणनीतिक असर पैदा कर सकता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के सबसे संकरे हिस्से में नेपाल और बांग्लादेश के बीच की दूरी महज 20-22 किलोमीटर है। इसके उत्तर-पूर्व में भूटान है। उससे आगे उत्तर में सिक्किम, चुम्बी घाटी, डोकलाम हैं। भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर से जोड़ने वाली सड़कें, रेलवे, पाइप लाइन, दूरसंचार नेटवर्क, सैन्य रसद इसी सीमित भूगोल में आकर सिमट जाते हैं। यही वजह है कि यह कॉरिडोर इतना संवेदनशील है। 2020 के बाद रिश्तों में सुधार के बावजूद चीन अब भी हमारे लिए चुनौती बना हुआ है। 2017 में डोकलाम में हुआ टकराव इस बात को दिखा चुका है कि चुम्बी घाटी और भूटान से जुड़े घटनाक्रम भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, नक्शे इस संवेदनशीलता को वास्तविकता से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर दिखा सकते हैं। उस क्षेत्र में किसी भी सैन्य आक्रामकता को कठिन भूभाग, भारतीय सेना की मजबूत तैनाती और संकरी चुम्बी घाटी का सामना करना पड़ेगा। भारत ने कॉरिडोर और उसके दोनों छोरों के आसपास भी अपनी सैन्य क्षमता मजबूत की है। यह कॉरिडोर संवेदनशील जरूर है, लेकिन निश्चित रूप से असुरक्षित नहीं है। सबसे तात्कालिक चुनौती खतरों के लगातार बढ़ते दायरे की है। किसी बड़े टकराव के दौरान रेलवे का कोई पुल निष्क्रिय हो जाना, दूरसंचार सेवाओं में बाधा आना, ईंधन की आवाजाही प्रभावित होना, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल या कई जगहों पर एक साथ की गई सुनियोजित तोड़फोड़- इनमें से किसी का भी असर तात्कालिक क्षति से कहीं ज्यादा बड़ा हो सकता है। साइबर हमले सेवाओं को बाधित कर सकते हैं, गलत सूचनाएं फैला सकते हैं और लोगों में चिंता पैदा कर सकते हैं। भारत के पूर्व में बदले राजनीतिक माहौल (विशेषकर बांग्लादेश में) ने एक और पहलू जोड़ दिया है, लेकिन इसे सावधानी से समझने की जरूरत है। किसी देश में राजनीतिक बदलाव या द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट का यह मतलब नहीं होता कि पड़ोसी देश भारत का विरोधी बन गया है। चिंता पारंपरिक सैन्य कार्रवाई की तुलना में इस संभावना को लेकर अधिक है कि शत्रुतापूर्ण ताकतें अलग-अलग स्तर पर स्थानीय सहयोग या मिलीभगत के साथ किसी देश के भूभाग, नेटवर्क या स्थानीय कमजोरियों का फायदा उठा सकती हैं। इसलिए सीमाओं पर पाबंदी का मतलब केवल अवैध तरीके से सीमा पार करने वालों को रोकना नहीं है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के साथ भारत की सीमाओं की परिस्थितियां अलग-अलग हैं। वैध आवाजाही, आर्थिक कारणों से होने वाला माइग्रेशन, अवैध इमिग्रेशन और शत्रुतापूर्ण घुसपैठ- इन सभी को एक ही श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में लोगों की बेरोकटोक आवाजाही तब चिंता का विषय बन जाती है, जब जाली दस्तावेजों, आपराधिक नेटवर्कों या शत्रुतापूर्ण खुफिया एजेंसियों द्वारा उसका फायदा उठाया जाए।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

प्रमोद भार्गव

शारदेय नवरात्र में हम एक बार फिर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करेंगे। नवरात्र का अर्थ केवल नौ दिनों तक पूजा-पाठ और व्रत-उपवास करना नहीं है, बल्कि यह जीवन में नवीनता, परिवर्तन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का अवसर भी है। देवी के नौ स्वरूप शक्ति, स्त्रीत्व, सृजन और समृद्धि के प्रतीक हैं। इनकी पूजा करते समय हमारे मन में नारी के विविध रूपों और उसकी असीम क्षमताओं का भाव जागृत होता है। देवी के इन स्वरूपों का आध्यात्मिक महत्व होने के साथ ही सामाजिक संदेश भी है। वे मनुष्य के भीतर मौजूद नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने और जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब देवता असुरों से पराजित होने लगे, तब उन्होंने देवी दुर्गा से सहायता मांगी। देवी ने विभिन्न रूपों में प्रकट होकर असुरों का संहार किया और सृष्टि में संतुलन स्थापित किया। प्रतीकात्मक रूप से देखें तो असुर अहंकार, लोभ, क्रोध, हिंसा और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों के प्रतीक हैं। देवी की आराधना हमें इन विकारों से संघर्ष करने और अपने भीतर सद्गुणों का विकास करने की प्रेरणा देती है। नवरात्र के नौ स्वरूप इसी आध्यात्मिक यात्रा के अलग-अलग पड़ाव हैं।

शैलपुत्री - दृढ़ संकल्प और नई शुरुआत

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इनके एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल पुष्प सुशोभित हैं। इनका वाहन वृषभ है। पौराणिक कथा के अनुसार, शैलपुत्री पूर्व जन्म में दक्ष प्रजापति की पुत्री सती थीं। उन्होंने अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध भगवान शिव से विवाह किया था। दक्ष ने एक महायज्ञ का आयोजन किया, लेकिन उसमें शिव और सती को आमंत्रित नहीं किया। सती इसे अपने पति का अपमान मानकर यज्ञ में पहुंचीं। वहां दक्ष द्वारा शिव का अपमान किए जाने से दुखी होकर उन्होंने यज्ञ कुंड में अपने प्राण त्याग दिए।

सती के देह त्यागने का समाचार मिलने पर शिव ने क्रोध में यज्ञ का विध्वंस कर दिया। मान्यता है कि बाद में सती ने पर्वतराज हिमालय के घर में जन्म लिया और शैलपुत्री कहलाईं। उन्हें पार्वती के रूप में भी जाना जाता है। शैलपुत्री का स्वरूप हमें दृढ़ संकल्प, आत्मसम्मान और जीवन में नई शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। विपरीत परिस्थितियों में भी अपने उद्देश्य के प्रति अडिग रहना इस स्वरूप का प्रमुख संदेश है।

ब्रह्मचारिणी - तप, संयम और धैर्य : नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की आराधना की जाती है। श्वेत वस्त्र धारण करने वाली देवी के एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, पर्वतराज हिमालय और मैना की पुत्री पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या इतनी कठिन थी कि उनका शरीर अत्यंत कृश हो गया। उनकी साधना से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उन्हें मनचाहा वर प्राप्त होने का आशीर्वाद दिया। तप का आचरण करने के कारण वे ब्रह्मचारिणी कहलाईं।

ब्रह्मचारिणी का स्वरूप संयम, साधना, धैर्य और लक्ष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। जीवन में सफलता केवल इच्छाओं से नहीं मिलती, बल्कि उसके लिए निरंतर प्रयास और आत्मानुशासन भी आवश्यक है। यह स्वरूप सिखाता है कि कठिनाइयों के सामने हार मानने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

चंद्रघंटा - साहस के साथ सौम्यता : नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। सिंह पर सवार देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित रहता है। उनका स्वरूप साहस, पराक्रम और निर्भयता का प्रतीक है। पौराणिक वर्णनों में उनके दस हाथ बताए गए हैं, जिनमें विभिन्न अस्त्र-शस्त्र सुशोभित रहते हैं। उन्हें युद्ध के लिए सदैव तत्पर माना गया है।

चंद्रघंटा का स्वरूप यह संदेश देता है कि अन्याय और बुराई का सामना करने के लिए साहस आवश्यक है। हालांकि साहस का अर्थ आक्रामकता नहीं है। शक्ति के साथ विवेक और सौम्यता का संतुलन भी जरूरी है। व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। समाज में भयमुक्त वातावरण बनाने के लिए ऐसी ही निर्भीकता और सद्भाव की आवश्यकता है।

कूष्मांडा - सृजन और सकारात्मक ऊर्जा : नवरात्र के चौथे दिन मां कूष्मांडा की उपासना की जाती है। मान्यता है कि जब चारों ओर अंधकार था और ब्रह्मांड का अस्तित्व नहीं था, तब देवी ने अपनी मंद मुस्कान से सृष्टि की रचना की। इसी कारण उन्हें कूष्मांडा कहा गया है। सिंह पर सवार अष्टभुजी देवी के हाथों में कमंडल, धनुष-बाण, कमल, अमृत कलश, चक्र, गदा और जपमाला जैसे प्रतीक सुशोभित रहते हैं। उनका तेज सूर्य के समान माना गया है।

कूष्मांडा का स्वरूप सृजन, ऊर्जा और आशा का प्रतीक है। अंधकार के बीच प्रकाश उत्पन्न करने की यह अवधारणा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देती है। जब निराशा और कठिनाइयां व्यक्ति को घेर लेती हैं, तब रचनात्मक सोच नए रास्ते खोल सकती है। परिवार, समाज और राष्ट्र का विकास भी इसी सृजनात्मक दृष्टि से संभव है।

स्कंदमाता - ममता और संरक्षण : नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है। भगवान कार्तिकेय का एक नाम स्कंद है, इसलिए उनकी माता को स्कंदमाता कहा जाता है। सिंह पर विराजमान देवी की चार भुजाएं हैं। उनके दो हाथों में कमल पुष्प हैं, एक हाथ वरदान की मुद्रा में रहता है और दूसरे में वे अपने पुत्र स्कंद को धारण करती हैं। उन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है।

स्कंदमाता का स्वरूप मातृत्व, प्रेम, ममता और संरक्षण का प्रतीक है। मां का स्नेह केवल अपने बच्चे तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह परिवार और समाज में संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करता है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, उचित शिक्षा और संस्कार देना समाज की साझा जिम्मेदारी है। यह स्वरूप बताता है कि शक्ति का एक महत्वपूर्ण रूप दूसरों की देखभाल करना और उनके विकास में सहयोग देना भी है।

कात्यायनी - अन्याय के विरुद्ध संघर्ष : नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की आराधना होती है। पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि कात्यायन देवी दुर्गा के उपासक थे। उनकी प्रार्थना पर देवी ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। जब महिषासुर के अत्याचार बढ़े, तब देवी कात्यायनी ने उसका संहार कर देवताओं को भयमुक्त किया। सिंह पर सवार कात्यायनी की चार भुजाएं हैं। उनके स्वरूप को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे पुरुषार्थों से भी जोड़ा जाता है। कात्यायनी का स्वरूप अन्याय, अत्याचार और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। समाज में जब किसी कमजोर व्यक्ति के अधिकारों का हनन होता है, तब मौन रहना समस्या को बढ़ा सकता है। न्याय के लिए आवाज उठाना और पीड़ित का साथ देना सामाजिक दायित्व है। शक्ति का सही उपयोग तभी है, जब वह कमजोरों की रक्षा और अन्याय के प्रतिरोध में लगाया जाए।

कालरात्रि - भय और अज्ञान पर विजय : नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। उनका वर्ण गहरी काली रात के समान बताया गया है। उनके तीन नेत्र हैं और केश बिखरे हुए हैं। गले में विद्युत के समान चमकने वाली माला सुशोभित रहती है। पौराणिक वर्णनों के अनुसार, उनकी सांसों से अग्नि की लपटें निकलती हैं। उनका वाहन गधा है और वे चार भुजाओं वाली हैं। उनके हाथों में अस्त्र-शस्त्र के साथ वरदान और अभय देने की मुद्राएं भी हैं। कालरात्रि का उग्र स्वरूप भय, अज्ञान और बुरी प्रवृत्तियों के विनाश का प्रतीक है। जीवन में कई बार डर व्यक्ति को सही निर्णय लेने से रोकता है। अज्ञान और अंधविश्वास भी विकास में बाधा बनते हैं। कालरात्रि का संदेश है कि भय से भागने के बजाय उसका सामना करना चाहिए। ज्ञान, विवेक और आत्मविश्वास के सहारे कठिन परिस्थितियों पर विजय पाई जा सकती है।

महागौरी - पवित्रता और शांति

नवरात्र के आठवें दिन मां महागौरी की उपासना की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक कठोर तपस्या की। तपस्या के दौरान उनका शरीर धूल और कठिन परिस्थितियों के कारण मलिन हो गया। शिव ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया, जिसके बाद उनका स्वरूप अत्यंत गौरवर्ण हो गया। इसी कारण वे महागौरी कहलाईं। उनका वाहन वृषभ है और उनका स्वरूप शांत एवं सौम्य माना जाता है।

महागौरी का स्वरूप पवित्रता, शांति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। जीवन में बाहरी सुंदरता से अधिक महत्व विचारों और आचरण की निर्मलता का है। ईर्ष्या, द्वेष और कटुता से दूर रहकर प्रेम, क्षमा और सद्भाव को अपनाना व्यक्ति को बेहतर बनाता है। परिवार और समाज में शांति बनाए रखने के लिए भी सहिष्णुता और परस्पर सम्मान जरूरी हैं।

सिद्धिदात्री - पूर्णता और सृजन का आधार : नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। उन्हें सभी सिद्धियों की अधिष्ठात्री माना गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी ने भगवान शिव को अनेक सिद्धियां प्रदान कीं। एक अन्य मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा को सृष्टि की रचना के लिए स्त्री और पुरुष दोनों स्वरूपों की आवश्यकता महसूस हुई। तब देवी की कृपा से शिव का आधा शरीर नारी स्वरूप में परिवर्तित हुआ और वे अर्धनारीश्वर कहलाए। यह अवधारणा सृष्टि में स्त्री और पुरुष के परस्पर पूरक होने का संदेश देती है।

सिद्धिदात्री का स्वरूप ज्ञान, क्षमता और पूर्णता का प्रतीक है। जीवन में उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत प्रयासों से ही नहीं, बल्कि सहयोग, संतुलन और सामूहिक सहभागिता से भी प्राप्त होती हैं। स्त्री और पुरुष दोनों की समान भागीदारी से ही परिवार, समाज और सृष्टि का विकास संभव है।

नवरात्र का वास्तविक संदेश स्त्री का सम्मान : देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों में नारी की शक्ति, ममता, साहस, धैर्य, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इन स्वरूपों की पूजा करते समय हमें यह भी विचार करना चाहिए कि वास्तविक जीवन में महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिल रहे हैं। एक ओर हम देवी को शक्ति और सृजन की अधिष्ठात्री मानकर उनकी आराधना करते हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के साथ हिंसा, भेदभाव और शोषण की घटनाएं समाज के सामने गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं के प्रति भेदभाव जैसी कुरीतियां नारी के सम्मान के विपरीत हैं। बेटियों को जन्म लेने, शिक्षा प्राप्त करने, अपनी प्रतिभा विकसित करने और अपने जीवन के फैसले लेने का समान अधिकार मिलना चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल कानून या सरकारी योजनाओं से सुनिश्चित नहीं हो सकता; इसके लिए परिवार, समाज और प्रत्येक नागरिक की सोच में बदलाव जरूरी है। नवरात्र के व्रत-उपवास और पूजा-अर्चना तभी सार्थक होंगे, जब हम अपने व्यवहार में भी देवी के गुणों को अपनाएं। स्त्री के प्रति सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता, अन्याय का विरोध और कमजोरों की रक्षा ही शक्ति की सच्ची उपासना है।

कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

राष्ट्रीय सेवाय योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा किये जायेंगे नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम।

कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अधिष्ठाता, डॉ. आर.के. जायसवाल ने की। इस बैठक में डॉ. विश्वनाथ सिंह कंसाना, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना 2025-26 में एन.एस.एस. के अंतर्गत किये गये कार्यों जैसे-एन.एस.एस. का स्थापना दिवस, स्वच्छता दिवस, एन.एस.एस. द्वारा नवीन छात्रों का दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं एन.एस.एस. छात्र-छात्राओं द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, बीकर, दतिया का एक्पोजर विजिट कृषि विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय,

कृषि विज्ञान केन्द्र का कराया गया। डॉ. कंसाना ने 2026-27 में आगामी किये गये कार्य जैसे- रक्त दान, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण दिवस, किसान दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व एकता दिवस, महिला शसक्तिकरण, विश्व महिला दिवस, विश्व स्वास्थ्य मृदा दिवस इत्यादि कार्यक्रम करने हेतु योजना बताई। इस कार्यक्रम में डॉ. मनोज अवस्थी, जिला संयोजक, राष्ट्रीय सेवा योजना ने एन.एस.एस. विद्यार्थियों को भारत पोर्टल पर पंजीकरण हेतु संपूर्ण जानकारी प्रदान की एवं वार्षिक 07 दिवसीय ग्रामीण केंप के लगाने के संबंध में छात्र-छात्राओं एवं समिति को दिशा-निर्देश एवं नियमानुसार कार्य करने हेतु सलाह दी।डॉ ओम प्रकाश, विभाग प्रमुख, कृषि प्रसार शिक्षा ने 2026-27 में एन.एस.एस. द्वारा नशा मुक्ति पर छात्र-छात्राओं द्वारा सबसे अधिक कार्य करने की कहा एवं इस अभियान को बड़े स्तर से गांव, कस्बों, तहसील, विकासखण्ड स्तर पर कैंप लगाकर रैली का आयोजन कर जन जागरूकता फैलाने की सलाह दी। डॉ. दीप परसेड़िया, सहायक प्राध्यापक, एम.आई.टी.एस. ने गूगल लिंक बनाकर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों को अपलोड करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंतिम में डॉ. वाय.डी. मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि प्रसार ने समिति को प्रेरित कर इस संबंध में अधिक से अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने की सलाह दी। डॉ. मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं के कार्यों को सी.ए.आई.ई. से जोड़ने की सलाह दी। राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति ने एन.एस.एस. के छात्र-छात्राओं द्वारा कृषि के विभिन्न विषयों पर बनाये गये मॉडलों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। इस कार्यक्रम में समिति सदस्य सचिन गुर्जर, सुश्री आंसू धाकड़, श्री पुष्पेंद्र बघेल, सुश्री अंशिका गौड़ की सराहनीय उपस्थिति दी।

लेखा प्रशिक्षण हेतु शासकीय कर्मचारी 13 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

ग्वालियर, जीएनएस। लेखा प्रशिक्षण शाला ग्वालियर में शासकीय कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये लेखा प्रशिक्षण सत्र 29 नवम्बर से प्रारंभ होगा। लेखा प्रशिक्षण के इच्छुक कर्मचारी 13 अक्टूबर तक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रवेश पत्र का प्रारूप चंद्रबदनी नाका के समीप न्यू राजस्व भवन के द्वितीय तल पर स्थित लेखा प्रशिक्षण शाला कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण में कर्मचारियों को हायर सेकेण्ड्री परीक्षा के साथ टाइपिंग परीक्षा उत्तीर्ण एवं एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा होना अनिवार्य है। प्रवेश दिनांक को कर्मचारी की एक वर्ष की नियमित शासकीय सेवा जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को शासन द्वारा निर्धारित शुल्क 5000 रूपए का चालान जमा करना होगा। प्रशिक्षण के लिये 40 से 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग पर टाइपिंग परीक्षा से छूट का आदेश / प्रमाण-पत्र कार्यालय प्रमुख द्वारा जारी किया गया हो तो आवेदन के साथ और आधारकार्ड की प्रतिलिपि स्वयं प्रमाणित कर प्रस्तुत करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के संबंध में अधिक जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

शिवपुरी डाक संभाग में 12 अक्टूबर को लगेगी डाक अदालत; वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी होगी सुनवाई

शिवपुरी, जीएनएस। भारतीय डाक विभाग, मध्य प्रदेश परिमंडल के शिवपुरी डाक संभाग द्वारा उपभोक्ताओं की लंबित शिकायतों और समस्याओं के निराकरण हेतु 12 अक्टूबर 2026 को डाक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह डाक अदालत सुबह 11.30 बजे से अधीक्षक डाकघर कार्यालय में ऑफलाइन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

अधीक्षक डाकघर शिवपुरी ने बताया कि डाक अदालत में डाक सेवाओं जैसे काउंटर सेवाएं, बचत बैंक एवं मनीऑर्डर आदि से संबंधित शिकायतों, याचिकाओं तथा विवादों पर सुनवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त सीपी ग्राम पोर्टल पर 30 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों तथा ऐसे थोक शिकायतकर्ता जिनकी 50 से अधिक शिकायतें लंबित हैं, उन्हें इस डाक अदालत में स्वतः संज्ञान में लेकर निराकृत किया जाएगा।

इच्छुक उपभोक्ता जो अपनी शिकायत या याचिका डाक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं, वे अपने मोबाइल नंबर सहित पूर्ण विवरण ईमेल आईडी doshivpuri.mp@india-post.gov.in पर भेज सकते हैं। इसके लिए ईमेल के विषय में शिवपुरी संभाग डाक अदालत अक्टूबर 2026 लिखना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही आवेदक व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा अपने निकटतम प्रधान डाकघर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी इस डाक अदालत में शामिल हो सकते हैं। अधीक्षक डाकघर ने स्पष्ट किया है कि डाक अदालत हेतु शिकायतें और आवेदन उपरोक्त ईमेल पर 11 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक ही स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाली किसी भी शिकायत पर इस डाक अदालत में विचार नहीं किया जाएगा।

समस्त सफाई नायक मंदिरों तथा देवी स्थापित त्योहारों में बेहतर सफाई व्यवस्था कराये लापरवाही किसी भी सूरत में क्षम्य नहीं होगी

जालौन, जीएनएस। नगर में नवदुर्गा पर्व एवं त्योहार में बेहतर सफाई व्यवस्था कराने के उद्देश्य से पालिका अध्यक्ष ने सफाई लिपिक की उपस्थित में सफाई नायकों की बैठक लेकर अपने-अपने हल्के में बेहतर सफाई करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार के दिन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव ने अपने कार्यालय में शुक्रवार के दिन समस्त सफाई नायकों को बुलवाकर बैठक ली उन्होंने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि नगर में लगभग एक दर्जन जगह पर देवी प्रतिमा स्थापित हो रही है तथा मंदिरों में नवदुर्गा पर्व बड़े धूमधाम से भक्तों के द्वारा मनाया जाता है सफाई की दृष्टि से सभी लोग

अपने-अपने सफाई कर्मियों को लगाकर प्रतिदिन अच्छी तरह से सफाई कर पालिका का नाम रोशन करें जिससे आपको तथा मुझे साथ में भक्तों के द्वारा अच्छा संदेश मिल सके उन्होंने कहा कि मैं किसी सफाई नायक की बहाने बाजी को सुनना पसंद नहीं करूंगा मुझे हर हाल में नगर को सफाई से अच्छी तरह सुशोभित करने के निर्देश दिए सफाई अभियान में किसी भी नायक ने लापरवाही की ऐसे नायक की खैर नहीं होगी दंड पाने को तैयार रहे बैठक में मौजूद सफाई लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ पप्पी यादव ने बैठक में मौजूद नायकों से कहा कि पालिका अध्यक्ष का जो निर्देश मिला है उस निर्देश का साक्षरता से पालन कर अपने कार्यों के प्रति सभी नायक खरे उतरे बैठक में मौजूद नायकों मे वीर सिंह अनिल कैलाश शेर जीशान विनोद कुमार समेत लोग उपस्थित थे।

आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवे कॉलोनी तानसेन नगर में 200 से अधिक छात्राओं को स्वच्छता अभियान के तहत सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। शासकीय विद्यालय में अधिकतर छात्राएं बहुत ही गरीब तपके की होती है जिनके पास फीस के लिए भी पैसा नहीं होता है उनके नियमित जीवन यापन की वस्तुओं का बहुत अभाव रहता है जिसके कारण कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाती हैं इसलिए यह हमारे मन की पीड़ा बहुत समय से थी कि हम बच्चों की सुरक्षा के लिए कुछ ध्यान दें इसलिए इस कार्य म को नियमित रूप से प्रत्येक मा किसी न किसी शासकीय विद्यालय में हम करने का प्रयास करते हैं।

सेवा मेरा योगदान(सेवा संकल्प)अभियान संपन्न हुआ-मनोज दुबे

भितरवार-ग्वालियर शनिबार प्रदेश के यसस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव अध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की मंशानुरूप 02अक्टूबर से10अक्टूबर तक चलाये गए सेवा मेरा योगदान(सेवा संकल्प)अभियान का आज समापन हुआ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग विकास खण्ड भितरवार में चलाए गए सेवा मेरा योगदान(सेवा संकल्प)अभियान के पहले दिन

स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एवं स्वच्छता अभियान, द्वतीय दिवस स्वास्थ्य जाँच एवं जागरूकता, तृतीय दिवस वृद्धाश्रम एवं अनाथालयों में सेवा, चौथे दिवस नेत्र परीक्षण शिविर एवं चश्मे वितरण, पांचवें दिवस,दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण और सम्मान, छठवें दिवस वृक्षारोपणएवं सैनिक सम्मान सातवें दिवस जरूरतमंद विद्यार्थियों का शिक्षा में सहयोग कर सेवा मेरा योगदान(सेवा संकल्प)अभियान चलाया गया विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी भितरवार मनोज दुबे ने कहा कि विभिन्न कार्य गतिविधियों से शासन और समाज के मध्य सेवा भाव जागृत हुआ है मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य किया गया है इस पूरे अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षकता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं, एम एस डब्ल्यू और बी एस डब्ल्यू के छात्रों नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों की रही है आज के सेवा मेरा योगदान अभियान में नवांकुर संस्था सचिव धर्मेंद्र किरार, परामर्शदाता पालेंद्र सिंह राणा, छात्र आकाश सेन, अर्जुन गौड़ आदि।

सुनार समाज कल्याण समिति रजि) जिला गुड़गांव के बने -अध्यक्ष महाबीर वर्मा

प्राण शर्मा

गुड़गांव। आज दिनांक 09अक्टूबर 2026 को गुड़गांव गांव स्थित सुनारों की चौपाल में सुनार समाज कल्याण समिति (रजि.)जिला गुड़गांव की गवर्निंग बॉडी को ए डी जे(रिटायर्ड) बसेशर सिंह द्वारा नव नियुक्त सदस्यों को शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर सुनील वर्मा का सहयोग भी उत्कृष्ट एवं सराहनीय रहा इस अवसर पर नई एवं पुरानी गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के अलावा समाज के गण मान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे । इस अवसर पर गर्वनिंग बॉडी के अध्यक्ष महाबीर वर्मा ने समाचार भारत मीडिया समूह को बताया कि सुनार समाज कल्याण समिति का यह तीसरा चुनाव था।

आज डिस्टिक रजिस्टार फर्म

एंड सोसाइटी गुड़गांव द्वारा गर्वनिंग बॉडी का अनुमोदन होने के पश्चात ही आज शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि सभी ग्यारह सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं। इस चुनाव प्रक्रिया के पश्चात घोषित परिणाम के अनुसार -अध्यक्ष महाबीर वर्मा , उपाध्यक्ष प्रवीण वर्मा , महासचिव सुभाष सोनी , सयुंक्त सचिव मनमोहन सोनी , कोषाध्यक्ष नरेश प्रकाश सेढा , ऑडिटर दिलीप कुमार सोनी , पीआरओ एडवोकेट राजेश वर्मा के अतिरिक्त चार कार्यकारिणी अन्य सदस्य जिसमें - विजेंद्र सिंह , अनिल कुमार सोनी , दुर्गादास सोनी और विनीत कुमार सोनी चुने गए। उन्होंने यह भी बताया कि हम सब मिलकर समाज के उत्थान के लिए एक सामूहिक कल्याणकारी कार्य करेंगे । इस पुनर्निमाण प्रक्रिया में हमारे समाज के सभी सदस्यों का सर्वोत्तम सहयोग लिया जाएगा।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. केशव पांडेय की पुस्तक 'बांग्लादेश का उदय' का विमोचन, सैन्य शौर्य और पांच दशक की पत्रकारिता यात्रा पर हुई चर्चा

1971 की विजय मानवता, कूटनीति और दृढ़ नेतृत्व का ऐतिहासिक अध्याय : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

ग्वालियर जीएनएस। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. केशव पांडेय की पुस्तक 'बांग्लादेश का उदय' का गरिमामय समारोह में विमोचन किया गया। भारतीय थल सेना के पूर्व प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन वीरेश प्रताप सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। समारोह में 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध, बांग्लादेश के उदय, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारतीय सेना के शौर्य के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए गए।

1971 का युद्ध मानवता और न्याय की रक्षा का अध्याय : मुख्य अतिथि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 1971 का वर्ष भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है। पूर्वी पाकिस्तान में अत्याचार और मानवीय संकट के कारण बड़ी संख्या में लोगों को अपना घर छोड़कर भारत आना पड़ा। भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शरणार्थियों की सहायता की। उस समय अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां जटिल थीं, लेकिन भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय दिया। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के साथ बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। यह केवल सैन्य विजय नहीं, बल्कि मानवता, न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा से जुड़ी ऐतिहासिक घटना थी। इतिहास से सीख लेते हुए एकता, साहस, मजबूत नेतृत्व और देशहित के प्रति समर्पण को महत्व देना चाहिए।

इतिहास और कूटनीति को समझने का प्रयास है पुस्तक : लेखक डॉ. केशव पांडेय ने कहा कि 'बांग्लादेश का उदय' केवल एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि मानवीय पीड़ा, लोकतांत्रिक अधिकारों के संघर्ष, शरणार्थियों की त्रासदी, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारतीय नेतृत्व की दूरदृष्टि को समझने का प्रयास है। पुस्तक में 1971 के घटनाक्रम को ऐतिहासिक, सामरिक, कूटनीतिक और मानवीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने कहा कि पांच दशक की पत्रकारिता और समाजसेवा की यात्रा में ग्वालियर-चंबल की माटी, सहयोगियों, शुभचिंतकों और सामाजिक क्षेत्र के साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उद्भव सांस्कृतिक उत्सव के माध्यम से ग्वालियर की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक पाठकों को अतीत के साथ वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए सीख लेने में भी सहायक होगी।

संग्रहणीय कृति है 'बांग्लादेश का उदय' : कार्यक्रम अध्यक्ष कैप्टन वीरेश प्रताप सिंह ने पुस्तक को महत्वपूर्ण और संग्रहणीय कृति बताया। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध ने सीमित तकनीकी संसाधनों के बावजूद भारतीय सेना के साहस, शौर्य और बलिदान की भावना को इतिहास में दर्ज किया। इस घटनाक्रम ने दुनिया के इतिहास के साथ भूगोल को भी बदल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. पांडेय की लेखनी ने भू-राजनीतिक विशेषज्ञों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए महत्वपूर्ण विषयों को सामने रखा है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी को मध्य प्रदेश की माटी का गौरव बताते हुए उनके सैन्य योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने जनरल द्विवेदी के कार्यकाल में भारतीय थल सेना की उपलब्धियों और डॉ. केशव पांडेय की पांच दशक लंबी पत्रकारिता, समाजसेवा तथा लेखन यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि निरंतर सामाजिक गतिविधियों के बीच लेखन और सृजन के लिए समय निकालना उल्लेखनीय है।

वृत्तचित्र का प्रदर्शन, पुस्तक की समीक्षा : कार्यक्रम में उद्भव सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के सचिव दीपक तोमर ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी के जीवन, लगभग 42 वर्षों की सैन्य सेवा, महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों, राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य आधुनिकीकरण और तकनीकी रूपांतरण में योगदान का परिचय दिया। इस दौरान जनरल द्विवेदी के सैन्य जीवन और उपलब्धियों पर केंद्रित लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

मंचासीन अतिथियों ने सामूहिक रूप से पुस्तक का विमोचन किया। इसके बाद सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन राम चंसौरिया ने पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए इसके ऐतिहासिक और सामरिक महत्व पर प्रकाश डाला।

पोर्टेट भेंट कर किया अभिनंदन : समारोह में डॉ. केशव पांडेय ने सुश्री कृतिका चौहान द्वारा निर्मित जनरल उपेंद्र द्विवेदी का पोर्ट्रेट उन्हें भेंट किया। इसके निर्माण में मार्गदर्शन देने वाले अंशुमान सोनी और प्रोफेसर सामंत सिंह सिंगर भी उपस्थित रहे। डॉ. पांडेय ने मुख्य अतिथि जनरल उपेंद्र द्विवेदी, कार्यक्रम अध्यक्ष कैप्टन वीरेश प्रताप सिंह और विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव का स्वागत किया।

उद्भव सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के सचिव दीपक तोमर, संयुक्त सचिव प्रवीण शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, किशन मुद्गल, वरिष्ठ पत्रकार टी.एन. मनीष और संस्थान के क्रिएटिव हेड अक्षत तोमर सहित अन्य लोगों ने भी अतिथियों का अभिनंदन किया। समारोह में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बी.एम. शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश सम्राट, साहित्यकार महेश कटारे, डॉ. गुंजन श्रीवास्तव, श्रीमती किरण भदौरिया और प्रो. राजरानी शर्मा सहित साहित्य, कला, पत्रकारिता, शोध और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्याम सुंदर ओझा ने किया। अंत में संस्थान के संयुक्त सचिव प्रवीण शर्मा ने अतिथियों और आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

1971 — एक युद्ध, जिसने दक्षिण एशिया का इतिहास बदल दिया : 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध दक्षिण एशिया के इतिहास की निर्णायक घटनाओं में शामिल है। पूर्वी पाकिस्तान में मानवीय संकट और शरणार्थियों के भारत आने से गंभीर परिस्थितियां पैदा हुईं। भारतीय सेना के पराक्रम और रणनीतिक नेतृत्व ने युद्ध की दिशा बदल दी। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के साथ बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। डॉ. केशव पांडेय की पुस्तक 'बांग्लादेश का उदय' इसी ऐतिहासिक घटनाक्रम को सैन्य, कूटनीतिक, राजनीतिक और मानवीय दृष्टिकोण से समझने का प्रयास है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं। भारत ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है।

महलगांव से आरोग्यधाम तक मिली अव्यवस्थाएं, लापरवाही पर अधिकारियों को नोटिस

सीवर ओवरफ्लो और गंदगी पर निगमायुक्त सख्त, डेयरियां सील करने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने शुक्रवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 14 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान महलगांव, एजी ऑफिस पुल और आरोग्यधाम अस्पताल के पास गंदगी तथा सीवर ओवरफ्लो की समस्या मिली। अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और लापरवाही पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शारदा विहार स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में संपत्तिकर और जलकर वसूली की समीक्षा कर वसूली बढ़ाने को कहा। एजी ऑफिस पुल के पास सीवर लाइन चोक होने से सड़क पर गंदा पानी बह रहा था। उन्होंने समस्या का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। महलगांव में जगह-जगह कचरे के ढेर और नालियों में

डेयरियों का गोबर बहता मिला। अधिकारियों ने बताया कि गोबर के कारण सीवर लाइनें बार-बार चोक होती हैं। इस पर निगमायुक्त ने भैंस डेयरियों को सील करने के निर्देश दिए। खाली भूखंडों में कचरा मिलने पर भी नाराजगी जताई और लोगों से कचरा घर-घर पहुंचने वाले टिपर वाहनों में डालने की अपील की। आरोग्यधाम अस्पताल के पास गंदगी मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहनी चाहिए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई होगी। कर्मचारी आवास कॉलोनी के पार्क के चौकीदार की शिकायत पर उसे बदलने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद गिर्राज कंसाना, अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पोषण सुरक्षा, मोटे अनाज और पोषण वाटिका के महत्व पर दिया प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह का समापन

शिवपुरी जीएनएस

कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह का समापन हुआ। केंद्र प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के निर्देशन में महीने भर चले अभियान के दौरान किसानों, कृषक महिलाओं, आमजन और स्कूली विद्यार्थियों को पोषण सुरक्षा, पोषण वाटिका, संतुलित आहार और श्री अन्न यानी मोटे अनाज के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में लगभग 250 लोगों ने सहभागिता की।

केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. सुरुचि सोनी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण

माह का उद्देश्य देश से कुपोषण को दूर करना और लोगों को स्वास्थ्य एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भोजन में जरूरी पोषक तत्वों का होना भी आवश्यक है। विशेष रूप से छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरी बालिकाओं के आहार पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने भोजन में दालें, स्थानीय फल, हरी सब्जियां और मोटे अनाज शामिल करने पर जोर दिया। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं और संतुलित आहार की जरूरत पूरी करने में मदद मिलती है।

पोषण माह के दौरान आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को घर पर पोषण वाटिका तैयार करने और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पौष्टिक भोजन बनाने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। सहजन की पत्तियों के पाउडर के उपयोग और श्री अन्न को दैनिक आहार में शामिल करने की जानकारी भी दी गई। अभियान के माध्यम से परिवारों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपलब्ध स्थानीय खाद्य संसाधनों का बेहतर उपयोग करने पर जोर दिया गया।

दाता बंदी छोड़ दिवस पर 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण की लंगर प्रसादी

ग्वालियर जीएनएस

दाता बंदी छोड़ दिवस के पावन अवसर पर दाता बंदी छोड़ द्वार पर सिख फोरम ग्वालियर की ओर से आयोजित सात दिवसीय लंगर सेवा में शुक्रवार को सांसद भारत सिंह कुशवाह शामिल हुए। उन्होंने गुरु चरणों में अरदास में सहभागिता कर लंगर वितरण की शुरुआत की और श्रद्धालुओं को प्रसादी परोसकर संगत की सेवा की।

कार्यक्रम में सिख फोरम ग्वालियर की ओर से सांसद का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। उन्हें सिरोपाव और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सांसद कुशवाह ने संगत को दाता बंदी छोड़ दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दाता बंदी छोड़ द्वार पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों और सिख फोरम की सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने संगत के साथ सदैव खड़े रहने की बात भी कही।

पांच से छह हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी : सिख फोरम के अनुसार, शुक्रवार को लंगर सेवा के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब पांच से छह हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन स्थल पर भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ लंगर वितरण और अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया। संगत ने सांसद का आभार व्यक्त किया और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति भी धन्यवाद जताया। सिख फोरम ग्वालियर ने लंगर सेवा में सहयोग देने वाली शहर की संगत का आभार व्यक्त किया।

हट्टा में आकार ले रहा शासकीय महाविद्यालय का सपना, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे ने परखी निर्माण कार्य की प्रगति

बालाघाट जीएनएस

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हट्टा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का सपना अब साकार होता नजर आ रहा है। प्रदेश शासन के आयुष मंत्री रहते भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं क्षेत्र के पूर्व विधायक रामकिशोर %नानो% कांवरे के प्रयासों से हट्टा में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना हुई थी, जहाँ वर्तमान में उच्च शिक्षा का अध्ययन सुचारू रूप से जारी है। इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, पूर्व मंत्री कांवरे ने महाविद्यालय के भव्य भवन निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत कराई है, जिसका निर्माण कार्य वर्तमान में तेजी से प्रगति पर है। इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. टी.डी. वैध, जनपद अध्यक्ष फूलचंद सहारे, भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश सोनकर सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसी कड़ी में, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे ने कल निर्माणाधीन महाविद्यालय भवन का औचक निरीक्षण किया। कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, जिस महाविद्यालय का सपना हमने क्षेत्र के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए देखा था, उसका निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट बात कहीं कि, निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता और तय मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए। ताकि छात्र-छात्राओं को लंबे समय तक बेहतरीन शैक्षणिक सुविधाएँ मिल सकें।

सीएमएमएस पोर्टल पर गणना ब्लॉक, पर्यवेक्षी सर्कल और गणकों के आवंटन की प्रक्रिया समझाई

जनगणना 2027 के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

शिवपुरी जीएनएस

जनगणना 2027 के दूसरे चरण में प्रस्तावित जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दूसरे दिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल की कार्यप्रणाली तथा जनसंख्या गणना से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 से प्रस्तावित है।

प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, भारत सरकार के संयुक्त संचालक नमित यादव और जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी मुकेश चौरसिया उपस्थित रहे। भोपाल से आए मास्टर ट्रेनर पीयूष पवार और प्रिंस राठौर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। इसमें एसडीएम, सीएमओ, जिला एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के चार्ज अधिकारी, जनगणना लिपिक तथा तकनीकी सहायकों ने भाग लिया।

पोर्टल की कार्यप्रणाली समझाई : प्रशिक्षण में बताया गया कि मकान सूचीकरण एवं मकान गणना चरण में तैयार किए गए मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) को सामान्यतः जनसंख्या गणना के लिए गणना ब्लॉक के रूप में उपयोग किया जाएगा। एचएलबी का विभाजन उसकी मूल सीमा के भीतर ही किया जा सकेगा। दो या अधिक एचएलबी को मिलाकर नया गणना ब्लॉक नहीं बनाया जाएगा। जनसंख्या गणना चरण में पर्यवेक्षी सर्कल का नए सिरे से गठन होगा।

अधिकारियों को सीएमएमएस पोर्टल पर पर्यवेक्षी सर्कल बनाने, पर्यवेक्षकों एवं गणकों को आवंटित करने, गणना ब्लॉक का विभाजन करने और परिवारों को गणकों से जोड़ने की प्रक्रिया समझाई गई। नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र तैयार करने तथा आरक्षित गणकों और पर्यवेक्षकों के प्रबंधन की जानकारी भी दी गई।

समयसीमा में काम पूरा करने पर जोर : प्रशिक्षण में बैच बनाने, प्रशिक्षण की तिथि एवं स्थल दर्ज करने, प्रशिक्षण की स्थिति अपडेट करने और आवश्यक अभिलेख पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया बताई गई। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि सभी आवश्यक परिवारों का आवंटन पूरा होने के बाद ही गणना ब्लॉक को फ्रीज किया जाएगा। यह कार्रवाई अपरिवर्तनीय होती है। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों तथा निर्धारित प्रक्रियाओं से अवगत कराना था, ताकि जनसंख्या गणना का कार्य व्यवस्थित ढंग से और तय समयसीमा में पूरा किया जा सके। जनगणना के आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और विकास योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

सरकारी तालाब की जमीन पर खड़े बबूल के पेड़ों की हो रही धड़ल्ले से अवैध कटाई

विजयीपुर/किशनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामपुर मजरे मदद अलीपुर गांव में इन दिनों प्रशासनिक लापरवाही और मिलीभगत का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां गांव के सरकारी तालाब की बेश कीमती जमीन पर खड़े बबूल के पेड़ों को कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से ठेकेदार को बेच दिया गया है, जिनकी धड़ल्ले से कटाई की जा रही है। इस गैरकानूनी कृत्य से स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि पूरी तरह से अनजान बने हुए हैं।

सूत्रों से प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले के मुख्य प्रणेता मदद अलीपुर गांव के ही रहने वाले बबली किशनपुरी और ननका हैं। इन दोनों व्यक्तियों ने अपनी निजी जमीन का हवाला देते हुए सरकारी तालाब की सीमा के अंदर और किनारे पर खड़े बबूल के दर्जनों पेड़ों का सौदा एक लकड़ी के ठेकेदार के साथ कर दिया। आरोपियों ने यह सफेद झूठ बोला कि ये पेड़ उनकी निजी भूमि पर खड़े हैं, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि ये पेड़ पूरी तरह से

सरकारी तालाब की जमीन और उसकी सुरक्षित परिधि के अंतर्गत आते हैं। जब स्थानीय लोगों ने मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था। ठेकेदार के मजदूरों द्वारा आरा मशीनों और कुल्हाड़ियों से पेड़ों को तेजी से काटा जा रहा था और कटे हुए लट्ठों को ट्रकों या ट्रैक्टरों में लोड करने की तैयारी चल रही थी। इस अवैध कटाई से एक ओर जहां पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संपत्ति की खुली लूट मची हुई है।

इस गंभीर अनियमितता को रोकने और मौके पर तुरंत प्रशासनिक हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान से संपर्क करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला, जिसके कारण उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्रकार की अवैध कटाई बिना किसी अंदरूनी सहयायोग या संरक्षण के संभव नहीं है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन तथा वन विभाग के उच्च अधिकारियों से त्वरित संज्ञान लेने की मांग की है ताकि सरकारी जमीन को और अधिक नुकसान से बचाया जा सके और पेड़ों की अवैध कटाई करने वाले तथा बेचने वाले दोनों पक्षों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

समाज को दिशा दिखाने वाले भक्तों का उद्धार कराने वाले दो दर्जन से अधिक संत महंत व पुजारीयों का किया गया सम्मान

पोरसा, जीएनएस। गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर समाज को दिशा दिखाने वाले भक्तों का उद्धार कराने वाले तथा लोगों को सनातन धर्म पर चलाने वाले संत महत्व व पुजारीयो का सम्मान किया गया। आज भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर घनश्याम दास आध्यात्मिक ज्योतिष ज्ञान प्रचार प्रसार समिति ने मनाई ,,इस मौके पर समाज को मार्गदर्शन देने वाले तथा भक्तों का उद्धार कराने वाले संत महंत व पुजारीयो का साल और श्रीफल से सम्मान किया गया सम्मान राधा कृष्ण गुप्ता व दिवेश कुमार गुप्ता तथा सुधीर कुमार गुप्ता एवं माधव गांगिल ने किया सम्मान पाने वालों में महामंडलेश्वर महंत नारायण दास महाराज, महंत रामकिशोर दास

महाराज,, महंत भरत दास महाराज,पुजारी संजू दास महाराज,,,,, पुजारी रामदास श्रोत्रिय महाराज ,पुजारी रामसेवक शर्मा, पुजारी शिवकुमार शुक्ला, संत महेंद्र गिरी महाराज, पुजारी अवतार वन बाबा ,आचार्य आनंद शास्त्री, , संत बालक दास महाराज , पंडित राम विनोद शुक्ला ,,,पंडित शंभू दयाल शर्मा ,पंडित सुरेश शुक्ला , बाबा रामशंकर पाठक बाबा,सहित दो दर्जन से अधिक संत महंत व पुजारीयो का शाल, स्मृति चिन्ह,श्रीफल पुष्पहार से सम्मान किया गया व्यवस्थाएं ब्रजराज सिंह तोमर, महावीर जैन,हनी सिंह तोमर, दीनू सिंह तोमर, बृजेश शिवहरे,मनोज ओझा,राधा कृष्ण गुप्ता, शंभू दयाल गुप्ता, सनी सिंह तोमर गौरव मॉडिल ,दीपू सिंह कुशवाहा,मदन सिंह तोमर, जितेंद्र ओझा,बल्लू ओझा,आदि के द्वारा देखी गई।

कमलाराजा अस्पताल परिसर में मेन गेट के पास अटेंडर ओर आसपास ठेला लगाने वाले लोग यहां बनी दीवार पर टॉयलेट कर जाते हैं.. इससे भयंकर बदबू भी आती है ओर मच्छर भी पनपते है.. कृपया स्वास्थ्य अधिकारी ध्यान देवें।

दतिया। धान की फसलों की सिंचाई और रबी फसल की बोबनी के लिए पानी छोड़ने की मांग। राजघाट और सिंध नहर में पानी छोड़ने की मांग को लेकर कांग्रेस ने दिया ज्ञापन। विधायक घनश्याम सिंह के साथ कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े को दिया ज्ञापन। नहरों में पानी छोड़ने और नवरात्रि में दतिया नगर की बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सही कराने, नगर में साफ सफाई कराने, पेयजल सप्लाई की व्यवस्था सुधारने दिया ज्ञापन। ज्ञापन देने वालों में विधायक घनश्याम सिंह के अलावा जिलाध्यक्ष अशोक दांगी और संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं।

मक्खी मारने हथौड़ा न चलाएँ...!

मक्खी बैठी हो दीवारों पे, या भिनभिनाए कानों में,
क्या हथौड़ा लेकर दौड़ेंगे, हम अपने ही मकानों में?
रोकना तो राहों को रोकिए, नियमों का सम्मान रहे,
मगर जनता की सुविधा का, थोड़ासा तो ध्यान रहे।
यारों मेट्रो केवल 卐रेल卐 नहीं है, लाखों की उम्मीद है,
कहीं दफ्तर जाने का साधन, तो ख़्वाबों की नींव है।
बच्चे स्कूल पहुँचते इससे, मजदूरों की राह हसीन हैं,
बुजुर्गों और बीमारों को, आसान चाह यह नगीन है।
न्यायालय की रहती गरिमा, प्रशासन के अपने काम,
लेकिन जनसुविधा रक्षा हैं, होनी चाहिए सुबह-शाम।
मक्खी मारने को हथौड़ा, क्योंकर हम इस्तेमाल करें?
छोटी-सी असहमति पर क्यों?, बड़े संकट तैयार करें।
बातचीत से हल निकल सकता, 卐संवादों卐 से राह बने,
जिद की ऊँची दीवारों पर, यूं समझदारी की धूप तने।
न जनता को कष्ट मिले, न न्याय व्यवस्था झुकने पाए,
लोकतंत्र की मर्यादा, हर अधिकार सुरक्षित रह जाएँ।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

राष्ट्रीय सनातन सेना भारत की बड़ी पहल: नवरात्रि गरबा निरीक्षण अभियान के लिए गठित हुई मातृशक्ति की विशेष टीम, देशभर में संभालेगी मोर्चा

ग्वालियर। नवरात्रि पर्व के दौरान देशभर में आयोजित होने वाले गरबा एवं दुर्गा उत्सव कार्यक्रमों के मद्देनज़र राष्ट्रीय सनातन सेना भारत द्वारा नवरात्रि गरबा निरीक्षण अभियान के लिए मातृशक्ति की विशेष टीम का गठन किया गया है। इस अभियान की राष्ट्रीय जिम्मेदारी दीदी श्री विनेश ठाकुर जी को सौंपी गई है।

अभियान के अंतर्गत संगठन की मातृशक्ति एवं महिला पदाधिकारी देश के विभिन्न क्षेत्रों में गरबा पंडालों तक पहुँचकर आयोजन समितियों के साथ समन्वय स्थापित करेंगी। अभियान का उद्देश्य नवरात्रि के दौरान मातृशक्ति की सुरक्षा, सम्मान तथा धार्मिक आयोजनों में अनुशासन एवं सुव्यवस्था को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय सनातन सेना भारत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री पंकज ठाकुर ने बताया कि अभियान को लेकर संगठन के प्रदेश, जिला एवं महानगर स्तर के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सभी संबंधित इकाइयों को स्थानीय स्तर पर टीम गठन, समन्वय एवं तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्रों के स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग को नियमानुसार पूर्व सूचना दी जाएगी तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी।

संगठन का कहना है कि नवरात्रि भारतीय संस्कृति, आस्था एवं शक्ति उपासना का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दौरान धार्मिक आयोजनों का शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मातृशक्ति की टीम देशभर में समन्वय की भूमिका निभाएगी। राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को अनुशासन, जिम्मेदारी और संगठनात्मक एकता के साथ सफल बनाने की अपील की है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत छात्राओं ने दिया स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संदेश

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद् गुना द्वारा शहर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संचय के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 16 स्थित शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविद्यालय, गुना में रंगोली, चित्रकला, कबाड़ से कला/जुगाड़ प्रतियोगिता, स्वच्छता की पाठशाला एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश का बढ़ा मान- रीवा के 65 वर्षीय ओंकार प्रसाद दीक्षित तुर्की में करेंगे टीम इंडिया की कप्तानी, वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर में दिखाएंगे दम

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के 65 वर्षीय ओंकार प्रसाद दीक्षित ने अपनी खेल प्रतिभा से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। टेनिस के प्रति उनका जुनून इस उम्र में भी बरकरार है। ओंकार दीक्षित को आगामी 8 से 13 नवंबर 2026 तक तुर्की में होने वाली वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वे पिछले वर्ष अमेरिका के फ्लोरिडा में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। ओंकार दीक्षित ने शासकीय सेवा के दौरान भी टेनिस में अपनी पहचान बनाई और ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज प्रतियोगिताओं में कई पदक जीते। उनकी यह उपलब्धि रीवा, विंध्य और पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए नि:शुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण 15 से 17 अक्टूबर तक KRG कॉलेज में

ग्वालियर, जीएनएस। बालिकाओं एवं महिलाओं को *आत्मविश्वासी, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर* बनाने के उद्देश्य से *Rotary Club of Gwalior Heritage* एवं *दुर्वांकुर लोक कल्याण समिति* के संयुक्त तत्वावधान में *15, 16 एवं 17 अक्टूबर 2026* को शासकीय *चक्रन्न कॉलेज, ग्वालियर* में तीन दिवसीय *निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम* आयोजित किया जा रहा है।

इस विशेष प्रशिक्षण के लिए *वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्री बलवंत सिंह देवड़ा जी* विशेष रूप से *पहली बार ग्वालियर* पधार रहे हैं। उनके द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन दो बैचों में किया जाएगा। *प्रथम बैच प्रातः 8:00 बजे से 11:00 बजे तक* तथा *द्वितीय बैच दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक* संचालित होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

कार्यक्रम के संबंध में *6 अक्टूबर 2026 को जिवाजी क्लब, ग्वालियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस* आयोजित की गई, जिसमें दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं तैयारियों की जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों को दी।

11 अक्टूबर को निकलेगी अग्रसेन जयंती की भव्य शोभायात्रा, 13 को होगा श्याम संकीर्तन

250 महिलाएं एक जैसी वेशभूषा में होंगी शामिल, 18 राजकुमार-राजकुमारियों का रथ और 61 तोरण द्वार रहेंगे आकर्षण का केंद्र

फिरोजाबाद, जीएनएस। श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति की ओर से अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा और श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। रविवार, 11 अक्टूबर को शाम छह बजे राधाकृष्ण मंदिर से शोभायात्रा निकलेगी। वहीं, मंगलवार, 13 अक्टूबर को शाम छह बजे तिलक इंटर कॉलेज में भव्य श्याम संकीर्तन होगा। इसकी तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समिति के जयंती कार्यालय पर पत्रकार वार्ता की गई।

जयंती संयोजक नमन बंसल टंडन ने बताया कि शोभायात्रा राधाकृष्ण मंदिर से शुरू होकर सदर बाजार, गंज चौराहा, डाकखाना चौराहा, अग्रसेन चौक और दुर्गा नगर होते हुए अग्रसेन स्कूल पर संपन्न होगी। शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी का बग्गी रथ मुख्य आकर्षण रहेगा। इनके साथ 18 राजकुमार और 18 राजकुमारियां भी बग्गी रथ पर सवार होंगी। करीब एक दर्जन धार्मिक झांकियां, नासिक के ढोल, बैंड और काली अखाड़ों के करतब शोभायात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। इस बार अग्रसमाज की करीब 250 महिलाएं एक जैसी वेशभूषा में महारानी के रथ के आगे चलेंगी। इसके माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा। शोभायात्रा के स्वागत के लिए शहर में पहली बार करीब 61 तोरण द्वार बनाए जाएंगे। समिति की ओर से 13 अक्टूबर को तिलक इंटर कॉलेज में आयोजित श्याम संकीर्तन में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम स्थल पर श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। मीडिया व्यवस्थापक अनुग्रह गोपाल अग्रवाल ने शहरवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

ट्यूबवेल ऑपरेटरों को मिल रहा छह से आठ हजार वेतन, यूनियन ने उठाई आवाज

करीब 45 कर्मचारियों के वेतन का मामला उठाया, आंदोलन की चेतावनी

फिरोजाबाद, जीएनएस। जलकल विभाग में कार्यरत करीब 45 ट्यूबवेल ऑपरेटरों को छह से आठ हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिए जाने का मामला सामने आया है। भारतीय किसान क्रांति यूनियन ने इस पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन देकर कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन दिलाने की मांग की है।

यूनियन का आरोप है कि प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां ट्यूबवेल ऑपरेटरों को मात्र छह हजार, सात हजार और आठ हजार रुपये प्रतिमाह दे रही हैं। ये कर्मचारी दिन-रात काम कर शहर की पेयजल व्यवस्था सुचारु रखने में योगदान देते हैं। इसके बावजूद उन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है।

संगठन ने कहा कि सरकार की ओर से न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी किए जाने पर कंपनियों को भी संबंधित आदेशों और श्रम कानूनों का पालन करना चाहिए। यूनियन ने कर्मचारियों का वेतन नियमानुसार बढ़ाने और उन्हें सभी वैधानिक लाभ देने की मांग की है। भारतीय किसान क्रांति यूनियन ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा।

स्वच्छ ऊर्जा और गुणवत्ता मानकों पर दिया जोर

विश्व मानक दिवस पर बीआईएस का हितधारक सम्मेलन आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। विश्व मानक दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा ग्वालियर स्थित होटल रेडिसन में हितधारक सम्मेलन एवं सतत विकास लक्ष्य-7 'किफायती और स्वच्छ ऊर्जा' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए राष्ट्र निर्माण में गुणवत्ता मानकों की भूमिका, पर्यावरण संरक्षण और अक्षय ऊर्जा के महत्व पर विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार पर्यावरण संरक्षण, अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने तथा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्ता मानकों का पालन देश के औद्योगिक विकास, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र निर्माण में मानकीकरण के महत्व पर विचार साझा किए गए। साथ ही, इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले हितधारकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मध्य भारत खादी संघ के सचिव रमाकांत शर्मा, भारतीय मानक ब्यूरो की नोएडा शाखा के निदेशक कौशिक दत्ता सहित बीआईएस के सदस्य और उद्योगपति उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलाया विशेष जनजागरूकता अभियान

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध एक विशेष जनजागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत शहर के नागरिकों और व्यापारियों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम की आईईसी टीम ने बाजार क्षेत्रों और रिहायशी इलाकों में जाकर दुकानदारों एवं आम जनता से संवाद साधा और लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग तुरंत बंद करने, कचरे का सही तरीके से निपटान करने और पर्यावरण को नुकसान से बचाने की समझाइश दी।

आधार केंद्रों पर अवैध वसूली की तो होगी कार्रवाई

डीएम ने दिए निर्देश, नए आधार नामांकन और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट निशुल्क

फिरोजाबाद, जीएनएस। आधार सेवा केंद्रों पर निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली या लापरवाही की शिकायत मिलने पर संबंधित ऑपरेटरों और संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभी केंद्रों पर शुल्क की सूची लगाना और आवेदकों को रसीद देना अनिवार्य होगा। यह निर्देश जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में दिए।

डीएम ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के नए आधार नामांकन के लंबित आवेदनों का सत्यापन उपजिलाधिकारी स्तर से कराया जा रहा है। इसमें लेखपाल और पुलिस की रिपोर्ट भी ली जा रही है, ताकि फर्जी नामांकन रोके जा सकें। वहीं, 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के आधार धारकों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। सत्यापन नहीं होने वाले मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आधार सेवाओं के निर्धारित शुल्क की जानकारी देते हुए बताया गया कि नया आधार बनवाने और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा निशुल्क है। जनसांख्यिकीय संशोधन के लिए 50 रुपये और बायोमेट्रिक संशोधन के लिए 125 रुपये शुल्क निर्धारित है। डीएम ने सभी केंद्रों पर शुल्क सूची प्रदर्शित करने और प्रत्येक आवेदक को रसीद देने के निर्देश दिए।

मदाखलत अमले ने अवैध निर्माण को कराया बंद, सामान किया जप्त

ग्वालियर, जीएनएस। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और अवैध अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों से अवैध दुकानों, हाथ-ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया गया।

मदाखलत के नोडल अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार मदाखलत अमले ने पूर्व विधानसभा अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय 09 के टाइमकीपर के साथ मुरार बारादरी चौराहे के पास हुरावली रोड पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य को बंद कराया। जिसमे सरिया, तस्सल, फावडा, टुल्लू पंप जब्त कर सामान को मदाखलत कार्यालय भेजा और चिड़ियाघर गेट के सामने अतिक्रमण को हटवाकर मार्ग को क्लीयर कराया। ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत हजीरा चौराहा, किलागेट रोड,चार शहर का नाका इंटक मैदान रोड सहित विभिन्न स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेले ,फुटपाथी दुकानों एवं अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई एवं आवागमन मार्ग क्लीयर कराया गया। दक्षिण विधानसभा अंतर्गत निम्बालकर की गोठ जिंसी नाला न.2 के पास चल रहे निर्माण कार्य को बन्द कराया और सामग्री जब्ती की कार्यवाही की गई । ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर में यातायात में बाधक सभी हाथ ठेले एवं गुमटियों को हटवाया गया एवं मार्ग को क्लीयर कराया गया और दोबारा न लगाने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही मवेशी दल-कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पी ग्रस्त गौवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेन्टर रतवाई गौशाला छोडा गया एवं घायल बीमार गौवषं को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोडा गया।

हर सप्ताह बडे बकायेदारों की होगी कुर्की

ग्वालियर, जीएनएस। शहर में 3,40000 संपत्तियां हैं, जिनमें से पिछले वर्ष 1.45 लाख सम्पत्तियों से वसूली की गई थी। इस साल अभी तक 73000 सम्पत्तियों के करदाताओं ने कर जमा कर दिया है। जबकि अभी भी काफी अधिक सम्पत्तियां ऐसी हैं जिन्होंने कर जमा नहीं किया है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने 2.67 लाख सम्पत्तियों से कर वसूलने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बड़े बकायेदारों की सम्पत्तियां हर सप्ताह अभियान चलाकर कुर्क करने के निर्देष नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक में अपर आयुक्त मुनीश सिंह सिकरवार, उपायुक्त डॉ, प्रदीप श्रीवास्तव, श्री उत्तम जखेनीया, श्री मुकेश बंसल एवं श्री रजनीश गुप्ता, संपत्तिकर अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा संपत्तिकर वसूली की समीक्षा की गई । नगर निगम आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि 50000 से बडे बकायेदारों की सूची बनाकर सभी राजस्व निरीक्षकों को दी जाए। बड़े बकायेदारों को धारा 173, 174, 175 के तहत वसूली का 15 दिवसीय बिल दें। इसके बाद 30 दिवसीय मांग पत्र दें, इसके बाद अंतिम प्रकाशन सूची जारी कर कुर्की की कार्रवाई प्रारंभ की जाए। नगर निगम आयुक्त ने निर्देष दिए हैं कि कुर्की वाले चिन्हित मकानों की साप्ताहिक सूची तैयार कर प्रतिदिन कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कुर्की की कार्रवाई के लिए शनिवार से निगम के राजस्व अधिकारी तैयारी प्रारंभ कर दें।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

बेटी को आतंकवाद में फंसाने की धमकी देकर मां से ठगे 15 लाख

साइबर ठगों ने व्हाट्सएप कॉल कर दिखाया गिरफ्तारी का डर, पुलिस ने 6.37 लाख रुपये कराए होल्ड

फिरोजाबाद, जीएनएस। बेटी को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों में फंसाने की धमकी देकर साइबर ठगों ने उसकी मां से 15 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल कर महिला को डराया और चेक के माध्यम से अलग-अलग खातों में रकम जमा करा ली। शिकायत मिलने पर साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6,37,299 रुपये होल्ड करा दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की बेटी ने पांच अक्तूबर को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि अज्ञात लोगों ने उसकी मां को व्हाट्सएप कॉल की। आरोपियों ने बेटी के मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने की बात कहकर कार्रवाई और जान का डर दिखाया। इसके बाद दबाव बनाकर चेक के माध्यम से 15 लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा करा लिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांघे के निर्देशन में साइबर थाना पुलिस ने मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने 6,37,299 रुपये अलग-अलग बैंक खातों में होल्ड करा दिए। जांच में सामने आया कि 4.30 लाख रुपये चेक से निकाले गए, जबकि तीन लाख रुपये ग्रो ऐप के माध्यम से निवेश किए गए। इसके अलावा 45 हजार रुपये एटीएम से निकाले जाने की जानकारी मिली है। पुलिस संबंधित बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है।

अनजान कॉल से रहें सावधानः पुलिस ने लोगों से अपील की है कि व्हाट्सएप कॉल पर किसी को मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी गतिविधियों या गिरफ्तारी का भय दिखाए जाने पर घबराएं नहीं। किसी के दबाव में आकर रुपये न दें। साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

छात्राओं ने ठेले और दुकानों से पॉलीथिन की जब्त, चालान भी किए

ग्वालियर, जीएनएस। स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई की गई। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थाटीपुर की छात्राओं और शिक्षकों ने नगर निगम की टास्क फोर्स के साथ अभियान में भाग लिया।

अभियान के दौरान छात्राओं और नगर निगम की टीम ने ठेले वालों एवं दुकानदारों से प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई। इस दौरान दुकानदारों और ठेले वालों को सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने के लिए जागरूक किया गया। नगर निगम के इस अभियान का उद्देश्य शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ ही नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। अभियान में छात्राओं की भागीदारी के माध्यम से आमजन को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित केशव कुमार बने 'टीचर्स ऑफ बिहार' के स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर

मोतिहारी, जीएनएस। बिहार के शिक्षकों की प्रमुख प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी 'टीचर्स ऑफ बिहार' ने प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर उर्दू, मुरौल, मुजफ्फरपुर के प्रधान शिक्षक केशव कुमार को स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह दायित्व टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन तथा टीम के अन्य सदस्यों के विश्वास और सहमति से उन्हें प्रदान किया गया है।

केशव कुमार का चयन वर्ष 2025 में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के माध्यम से प्रधान शिक्षक के पद पर हुआ था। शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचारी प्रयासों और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों के लिए उन्हें वर्ष 2026 में राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बिहार के शिक्षा मंत्री

श्री मिथिलेश तिवारी के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

केशव कुमार पिछले छह वर्षों से 'टीचर्स ऑफ बिहार' से जुड़े हुए हैं। इस दौरान उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले के डिस्ट्रिक्ट मेंटर स्टेट टीम में फेसबुक मॉडरेटर, कुटुंब ऐप मॉडरेटर, इवेंट लीडर, त्रैमासिक पत्रिका प्रकृति प्रहरी, प्रज्ञानिका एवं अनुसंधानम्, पत्रिका राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2025-26 के सितारे के मार्गदर्शक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया तथा विभिन्न गतिविधियों के संचालन और शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए उन्हें अब प्रदेश स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर केशव कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन और टीम के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण जवाबदेही भी है। वह पूरी निष्ठा, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ इस दायित्व का निर्वहन करते हुए टीम के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि 'टीचर्स ऑफ बिहार' शिक्षकों को अपने शैक्षणिक नवाचारों, रचनात्मक गतिविधियों और प्रभावी शिक्षण विधियों को साझा करने का अवसर प्रदान करने वाला एक सशक्त मंच है। इसके माध्यम से शिक्षक एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं तथा विचारों के आदान-प्रदान से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हैं।स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी प्राथमिकताओं को साझा करते हुए केशव कुमार ने कहा कि टीम के सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, शैक्षणिक नवाचारों को प्रोत्साहित करना और संगठन की गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताएँ होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि टीम के सदस्यों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से संगठन के उद्देश्यों को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा, ÷मुझ पर जताया गया विश्वास मेरे लिए सम्मान भी है और संकल्प भी। मैं पूरी ऊर्जा, निष्ठा और समर्पण के साथ इस नई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए 'टीचर्स ऑफ बिहार' की प्रगति में सार्थक योगदान देने का प्रयास करूँगा। उक्त जानकारी 'टीचर्स ऑफ बिहार' के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी।

बीहड़ वाली माता मंदिर पहुंचे डीएम-एसएसपी, सुरक्षा व्यवस्था परखी

फिरोजाबाद। शारदीय नवरात्र को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शनिवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और एसएसपी आदित्य लांघे ने बीहड़ वाली माता मंदिर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

नवरात्र के दौरान जिले के प्रमुख मंदिरों, देवी पंडालों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। भीड़ को नियंत्रित करने, श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की जा रही है। सादे कपड़ों में भी महिला पुलिसकर्मी भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी रखेंगी। महिला संबंधी शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर

प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी की मौजूदगी में हुई बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

फिरोजाबाद, जीएनएस। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर के आवास पर हुई बैठक में भाजपा प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की। कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ चुनाव में जुटने का आह्वान किया गया।

बैठक में प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी ने पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों और मंडल अध्यक्षों से संवाद किया। उन्होंने चुनाव की तैयारियों, संगठन की भूमिका और कार्यकर्ताओं की भागीदारी पर चर्चा

की। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेहतर तालमेल और एकजुटता के साथ काम करना जरूरी है।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव संबंधी गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पार्टी के निर्देशों के अनुसार सक्रियता से काम करने की बात कही।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, महामंत्री प्रमोद पाल बघेल, देवेश भारद्वाज, महानगर मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता कालू, योगेंद्र यादव बाबा, केशव सिंह फौजी, रामनरेश कटरा, डॉ. दुर्गेश यादव, अनुपम शर्मा, कैलाश ओझा, राम लड़ैती लकी, प्राचीन गुप्ता, देश दीपक राजा, सत्य प्रकाश यादव, लाइक सिंह, डॉ. मधुरिमा गुप्ता, आकृति सहयोगी, शिवम शर्मा, कृष्णवीर दिवाकर, मनोज दिवाकर, अशोक राठौड़ और करण राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जौरासी हनुमान मंदिर में व्हीआईएसएम हॉस्पिटल एवं व्हीआईएसएम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस। समाज सेवा एवं जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए व्हीआईएसएम हॉस्पिटल एवं व्हीआईएसएम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के तत्वावधान में आज जौरासी हनुमान मंदिर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

शिविर में लगभग 240 मरीजों एवं स्थानीय लोगों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान लोगों का ब्लड प्रेशर, एवं ब्लड शुगर परीक्षण निःशुल्क किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के माध्यम से लोगों को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर मिला। साथ ही, जिन लोगों को शारीरिक दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव अथवा चलने-फिरने से संबंधित समस्याएं थीं, उन्हें आवश्यकतानुसार व्हीआईएसएम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़ के स्टॉफ व विद्यार्थियों द्वारा निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेवाएं भी प्रदान की गई। शिविर में जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के उपचार में सहायता मिल सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विशेषज्ञों एवं सहयोगी टीम ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा संतुलित दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने बताया कि व्हीआईएसएम हॉस्पिटल का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर एवं किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल द्वारा समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं।

नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ग्वालियर पुलिस के विवेचकों का दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण प्रारंभ

ई-विवेचना एवं ई-साक्ष्य के प्रभावी उपयोग तथा विवेचना की गुणवत्ता में सुधार पर दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण।

ग्वालियर, जीएनएस। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) के मार्गदर्शन में नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विवेचना की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक के विवेचकों के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आज दिनांक 10 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस विवेचकों को नवीन कानूनी प्रावधानों एवं डिजिटल प्रक्रियाओं से अद्यतन कर विवेचना को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

नवीन कानूनों की गहन समझ से बेहतर होगी विवेचना- प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) ने उपस्थित विवेचकों को संबोधित करते हुए कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उनका गहन अध्ययन एवं व्यावहारिक समझ

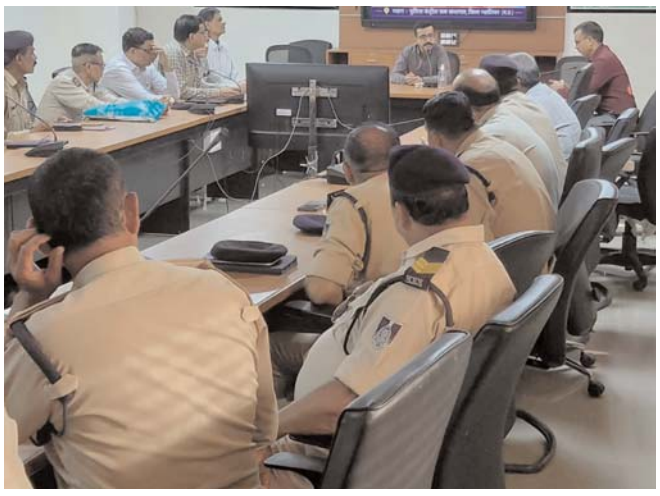

आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विवेचकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और उन्हें एक बेहतर विवेचक के रूप में तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-विवेचना एवं ई-साक्ष्य की प्रक्रियाओं की सही जानकारी से विवेचना को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

श्री जग्गा ने विवेचकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। विवेचना के दौरान आने वाली कठिनाइयों को बोझ न समझें, बल्कि उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार कर उनका समाधान खोजें। निरंतर सीखने और अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने से विवेचक अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक दक्षता के साथ कर सकते हैं।

टैबलेट के माध्यम से ई-विवेचना एवं ई-साक्ष्य का दिया प्रशिक्षण - दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीसीटीएनएस से आए प्रशिक्षक उप निरी. श्री अमित शर्मा, श्री विजय सिंह सिकरवार एवं श्री संजय बनवारिया द्वारा टैबलेट के माध्यम से ई-विवेचना एवं ई-साक्ष्य की प्रक्रिया के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने डिजिटल माध्यम से विवेचना किए जाने की प्रक्रिया, संबंधित तकनीकी पहलुओं तथा कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विवेचकों से ई-विवेचना के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक एवं तकनीकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समाधान भी बताया गया, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों में डिजिटल प्रणालियों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।

शिवपुरी जिले में 33 हजार 444 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध

शिवपुरी, जीएनएस। शिवपुरी जिले में किसानों की सुविधा एवं कृषि कार्यों हेतु रासायनिक उर्वरकों (खाद) की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 की स्थिति में जिले में वर्तमान में कुल 33 हजार 444 मीट्रिक टन खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि जिले में रबी सीजन (01 अक्टूबर 2026 से अब तक) कुल 6 हजार 175 मीट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है। इसमें 3587 मीट्रिक टन यूरिया, 1423 मीट्रिक टन डीएपी/टीएसपी, 724 मीट्रिक टन एनपीके, 393 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 48 मीट्रिक टन एमओपी शामिल है।

जिले के डबल लॉक गोदामों, सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास वर्तमान में उपलब्ध उर्वरकों में यूरिया उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 2181 मी.टन, सहकारी समितियों में 1029 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 4604 मी.टन कुल 7813 मी.टन उपलब्ध है। डीएपी / टीएसपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 920 मी.टन, सहकारी समितियों में 351 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 1826 मी.टन, कुल 3097 मी.टन उपलब्ध है। एनपीके उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 2948 मी.टन, सहकारी समितियों में 435 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 3427 मी.टन, कुल 6810 मी.टन उपलब्ध है। एसएसपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 1247 मी.टन, सहकारी समितियों में 97 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 13958 मी.टन, कुल 15302 मी.टन उपलब्ध है। एमओपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 99 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 324 मी.टन, कुल 423 मी.टन उपलब्ध है।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी सजग हों नागरिक : डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस,10 अक्टूबर पर नागरिकों से अपील की है कि सभी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग हों और ÷तनाव मुक्त मध्यप्रदेश- स्वस्थ मन, स्वस्थ समाज और सशक्त मध्यप्रदेश÷ के निर्माण की दिशा में एक सामाजिक और सामूहिक संकल्प लें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि चिकित्सक समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। ये आवश्यक है कि तनाव मुक्त और स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिए सम्मिलित प्रयास हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज तनाव हमारे जीवन के लिए एक चुनौती बनता जा रहा है। व्यक्तिगत जीवन, परिवार, कार्यस्थल और समाज में बढ़ता तनाव शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ हमारे संबंधों और जीवन शैली को भी प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से युवाओं में तनाव, अकेलापन, चिंता और भावनात्मक असंतुलन कई चुनौतियों को जन्म दे सकता है और उन्हें नशे, हिंसा जैसी हानिकारक प्रवृत्तियों की ओर भी ले जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 10 अक्टूबर से वर्षभर चलने वाली ÷तनाव मुक्त मध्यप्रदेश÷ की पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को हमेशा शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हार्टफुलनेस संस्था के स्वयं सेवकों द्वारा श्री कमलेश पटेल (दाजी)के मार्गदर्शन में निःशुल्क ध्यान और आंतरिक संतुलन की सरल पद्धति लोगों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)
E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 2061/3-6/खनि/क्यू.एल. 583/2026 शिवपुरी, दिनांक 09.10.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (2) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पवन खटीक पुत्र श्री ओमप्रकाश खटीक निवासी विला नं. 19 संतुष्टि परिसर कत्थामिल शिवपुरी म.प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील खनियाधाना के ग्राम भौडन की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर389 रकवा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर गिट्टी, एम सैण्ड खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 07.09. 2026 प्रस्तुत किया गया। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 09.09.2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 23/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाऐंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकवा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	खनियाधाना	भौडन	389	9.37	4.00	शासकीय	गिट्टी, एम सैण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बम्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-19889/26

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)
E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 2063/3-6/खनि/क्यू.एल. 583/2026 शिवपुरी, दिनांक 09.10.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (2) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती पुष्पा पत्नि श्री राजकुमार खटीक निवासी मंगल कालोनी माधव चौक जिला शिवपुरी म.प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील पिछोर के ग्राम गरेठा की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर42 रकवा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर गिट्टी, एम सैण्ड खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 05.09.2026 प्रस्तुत किया गया। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 09.09.2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 23/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाऐंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकवा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	पिछोर	गरेठा	42	6.450	4.00	शासकीय	गिट्टी, एम सैण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बम्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-19891/26

महापौर शोभा सिकरवार ने की भगवान श्रीराम दरबार की आरती, आज होगा ताड़का वध और अहिल्या उद्धार का मंचन

रामलीला में धूमधाम से मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

श्री रामलीला समारोह समिति की ओर से आयोजित रामलीला में रविवार को मनु-शतरूपा की तपस्या, रावण-कुंभकरण-मेघनाद की तपस्या और राजा दशरथ के पुत्रेष्ठि यज्ञ की लीला का मंचन किया गया। इसके साथ ही रामलीला मैदान में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बधाई गीत गाए गए, मिठाइयां बांटी गईं और आतिशबाजी की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर की महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार उपस्थित रहीं। उन्होंने भगवान श्रीराम दरबार की आरती की और रामलीला का मंचन देखा। महापौर ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने में रामलीला महत्वपूर्ण माध्यम है। सभी को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। समिति के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

मंचन के दौरान दिखाया गया कि मनु और शतरूपा ने भगवान विष्णु को पुत्र रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की। वहीं रावण, कुंभकरण और मेघनाद ने भी तपस्या की। भगवान शिव ने रावण को अमरता का वरदान देने से इनकार करते हुए उसे दिव्य अमृत प्रदान किया। कुंभकरण ब्रह्मा जी से इंद्रासन मांगने गया, लेकिन देवी सरस्वती के प्रभाव से उसके मुंह से इंद्रासन के स्थान पर निद्रासन निकला। इसके परिणामस्वरूप उसे छह महीने जागने और छह महीने सोने का वरदान मिला।

उधर, संतान न होने से दुखी राजा दशरथ ने गुरु वशिष्ठ के सुझाव पर ऋषि श्रृंगी से पुत्रेष्ठि यज्ञ कराया। यज्ञ से प्राप्त खीर तीनों रानियों में बांटी गई। इसके बाद माता कौशल्या के गर्भ से श्रीराम, कैकेयी से भरत तथा सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम भाकर, महामंत्री विजय गोयल, स्वागताध्यक्ष मयंक गर्ग, कार्यकारी अध्यक्ष सत्यकुमार मिश्रा, विजय गर्ग, रमेश चौरसिया, कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता और कार्यक्रम संयोजक रमेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आज होगा ताड़का वध और अहिल्या उद्धार : समिति के अनुसार, सोमवार को महामंडलेश्वर श्री रामदास जी महाराज (ददरौआ सरकार) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। रामलीला में मुनि आगमन, ताड़का वध, सुबाहु और मारीच वध, अहिल्या उद्धार तथा गंगा दर्शन की लीलाओं का मंचन किया जाएगा। भगवान श्रीराम के नगर आगमन पर मीना बाजार भी आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। समिति ने धर्मप्रेमी जनता से सपरिवार रामलीला देखने आने की अपील की है।

पुरानी छावनी के पास आया हृदयाघात, अपोलो अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

जेके टायर के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट का निधन

ग्वालियर जीएनएस

जेके टायर बानमोर के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट एचआर और वर्तमान में धार-पीथमपुर स्थित वीवा फैशन कंपनी में वाइस प्रेसिडेंट एचआर के पद पर कार्यरत पी. कुलकर्णी का शनिवार को ग्वालियर में हृदयाघात से निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर से उद्योग जगत, जेके टायर प्रबंधन और वीवा फैशन कंपनी में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, पी. कुलकर्णी शुक्रवार को न्यायालयीन प्रकरण के सिलसिले में ग्वालियर आए थे। शनिवार सुबह वे जेके

टायर फैक्ट्री में अपना पुराना मामला निपटाने गए थे। फैक्ट्री से लौटते समय पुरानी छावनी के पास उन्हें अचानक हृदयाघात हुआ। इसके बाद उन्हें अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पी. कुलकर्णी कॉर्पोरेट जगत और मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अनुभवी एवं सम्मानित व्यक्तित्व थे। वे अपने हंसमुख स्वभाव और कार्यशैली के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने जेके टायर के अलावा सीमेंट उद्योग सहित कई औद्योगिक समूहों में सेवाएं दीं। वे जेके टायर के लश्कर और हरिद्वार प्लांट के निदेशक भी रहे थे। वर्तमान में वे वीवा फैशन कंपनी में वाइस प्रेसिडेंट एचआर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

उनके निधन पर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एपी सिंह, जेके टायर बानमोर के प्रमुख शांतनु सत्पती, कंपनी के प्रमुख सीजीएम विजय सिंह, जीएम कमर्शियल एसके भार्गव, जीएम एचआर धीरज शर्मा, जीएम इंजीनियरिंग मिथलेश कुमार और जीएम अकाउंट्स विजय सिंह ने शोक व्यक्त किया।

पूर्व सांसद अशोक अर्गल, कैडबरी के जीएम एचआर अमित पचौरी, सूर्या रोशनी के वाइस प्रेसिडेंट एचआर मुकुल चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार विनय अग्रवाल, सुरेश शर्मा, संजय त्रिपाठी, संजय तोमर, शैलेन्द्र शर्मा और अंकित सिंघल सहित उद्योग जगत से जुड़े लोगों, राजनीतिक हस्तियों और समाजसेवियों ने भी उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

त्योहारों पर सुरक्षा के लिए ग्वालियर पुलिस सतर्क, सभी थाना क्षेत्रों में पैदल भ्रमण

ग्वालियर जीएनएस

आगामी त्योहारों को देखते हुए ग्वालियर पुलिस ने शहर और जिले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने बल के साथ पैदल भ्रमण किया। इस दौरान प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों और आमजन की आवाजाही वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से संवाद कर त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी के जरिए आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया।

असामाजिक तत्वों पर रहेगी नजर : पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर निगरानी रखी। त्योहारों के दौरान शांति भंग करने और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दीनदयाल नगर रामलीला समारोह

गणेश पूजन और नारद मोह की लीला से रामलीला का शुभारंभ

ग्वालियर जीएनएस

नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति, सेक्टर-सी दीनदयाल नगर की ओर से रविवार रात 17वें रामलीला समारोह का शुभारंभ गणेश पूजन, मुकुट पूजन, नारद मोह और भगवान श्रीराम जन्म की लीलाओं के मंचन के साथ हुआ। युगल किशोर रामलीला कला मंडल के कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नारद मोह की लीला में अहंकार और मोह के दुष्परिणामों को दर्शाया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम जन्म का मंचन हुआ। इस दौरान रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कलाकारों की वेशभूषा और सजीव अभिनय ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, गौरव तिवारी, मनीष शर्मा, हितेंद्र यादव, रामबाबू श्रीवास, रामोतार परमार, भरत सिंह भदौरिया, समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह सहित अन्य पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश एवं श्रीराम की आरती की।

समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया कि रामलीला के माध्यम से धर्म, सत्य, सदाचार और मर्यादा के मूल्यों का संदेश दिया जा रहा है।

आज होगा ताड़का वध और धनुष यज्ञ : सोमवार को ताड़का वध, पुष्प वाटिका और धनुष यज्ञ की लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ कार सेवा कमेटी ने किया सम्मानित, परिवार पीढ़ियों से समाज और संगत की सेवा में जुटा

बंदी छोड़ दिवस पर ज्ञानी इंदर सिंह की सेवा-विरासत का सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर स्वर्गीय सरदार ज्ञानी इंदर सिंह की धार्मिक और सामाजिक सेवाओं को विशेष सम्मान के साथ याद किया गया। गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ कार सेवा कमेटी की ओर से उन्हें विशिष्ट व्यक्तियों की श्रेणी में शामिल कर सम्मानित किया गया। उनकी ओर से यह सम्मान उनके ज्येष्ठ पुत्र सरदार सुरिंदर पाल सिंह ने ग्रहण किया। इस अवसर पर परिवार ने इसे पूर्वजों के सेवा-संस्कारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का गौरवपूर्ण क्षण बताया।

सिख इतिहास में ग्वालियर का विशेष स्थान है। सिख परंपरा के अनुसार, छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने ग्वालियर किले से अपनी मुक्ति के साथ वहां बंदी बनाए गए 52 राजाओं की रिहाई भी सुनिश्चित की थी। यह प्रसंग स्वतंत्रता, न्याय और मानवता के मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। इसी ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े अवसर पर ज्ञानी इंदर सिंह की सेवाओं का स्मरण किया गया।

पंजाब से ग्वालियर तक का सफर : स्वर्गीय सरदार ज्ञानी इंदर सिंह का जन्म 1920 में पंजाब के अमृतसर जिले के गांव निब्बर में सरदार पाल सिंह के परिवार में हुआ था। वर्ष 1952 में वे मोहना क्षेत्र आए और कृषि कार्य से जुड़े। लगभग दस वर्ष खेती करने के बाद 1962 में ग्वालियर शहर आकर पेट्रोल पंप और परिवहन व्यवसाय में अपनी पहचान बनाई। व्यावसायिक गतिविधियों के साथ धार्मिक और सामाजिक सेवा उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रही। वर्ष 1968 में बाबा उत्तम सिंह जी के साथ उन्होंने गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ किला की कार सेवा में योगदान दिया। गुरुद्वारा फूलबाग, लश्कर और मोहना के गुरुद्वारों से जुड़े सेवा कार्यों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने सिख समाज के लोगों को डाकुओं के चंगुल से छुड़ाने में भी बाबा उद्गम सिंह जी के साथ साहसपूर्वक सहयोग किया। वर्ष 1984 के दंगों के कठिन दौर में भी वे अपने समुदाय के साथ मजबूती से खड़े रहे।

Name change

I SAILKAR PRERANA VINAYAK S/O RAJ KAILASH BHAGAT. HAVE CHANGED MY NAME AS PRERANA RAJ BHAGAT. NOW I WILL KNOWN BY MY NEW NAME AS PRERANA RAJ BHAGAT.

ADD

JHOOLE LAL TENT HOUSE PECHE GADHVE KI GOTH LALA KA BAZAR GWALIOR (M.P.) - 474001

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।